राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,27 नवेम्बर–2021 वर्ष–4,अंक–304 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वेक्सिन का दूसरा टीका लगाओ,तेल मुफ्त पाओ

क्रांति समय,सुरत

सुरत,शहर में कोरोना वेक्सिनेशन को गति देने हेतु मनपा द्वारा दूसरा टीका लगवानेवालों को एक लीटर मुफ्त तेल का वितरण किया गया।

सुरत शहर में कोरोना का दूसरा टीका लगवाने को लेकर लोगों में उदासीनता देखी गई। ऐसे लोगों को मनपा द्वारा एक नई प्रोत्साहक योजना शुरु की गई। सुरत शहर में दूसरा टीका लगवानेवालों को एक लीटर मुफ्त देने की योजना शुरु की गई। पाल अर्बन हेल्थ सेन्टर पर महापौर हेमाली बोघावाला ने दूसरा टीका लगवाने वालों को एक लीटर मुफ्त तेल

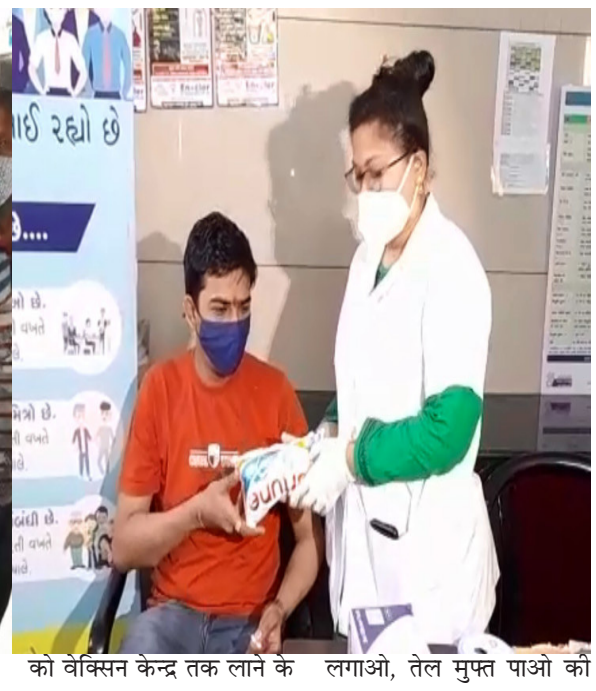

वितरण किया। शहर में 6 लाख से अधिक लोगों ने अब तक वेक्सिन का दूसरा टीका नहीं लगावाय है, ऐसे लोगों को वेक्सिन केन्द्र तक लाने के लिए मनपा द्वारा दूसरा टीका लगाओ, तेल मुफ्त पाओ की योजना शुरुकी गई। सुरत मनपा ने राज्य में सबसे पहले 100 प्रतिशित कोरोना वेक्सिन का प्रथम टीका लगवाने कार्रवाई पूर्ण करने में सफलता हासिल की है। दिवाली के पर्व के बाद कोरेना केस बढने से मनपा द्वारा नोक टु डोर से लेकर अनेक प्रयासों को बावजूद लोग दूसरा टीका लगवाने को लेकर उदासीन नजर आए। विशेषतौर पर शहर के लिंबायत व उधना जोन में वेक्सिन का दूसरा टीका लगवाने वालों की संख्या काफी कम है। इन इलाकों में रहनेवाले लोगों को दूसरा टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु मनपा द्वारा दूसरा टीका लगवाने पर मुफ्त तेल देने की योजना शुरु की गई। सूरत के महापौर हेमाली बोघावाला ने बताया कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु वेक्सिन ही एकमात्र उपाय है। वेक्सिन से हम सुरक्षित है। सुरतवासी हंमेशा से हर कार्य में उत्साहित रहते है। समग्र राज्य में सबसे पहले सौ प्रथम वेक्सिन का प्रथम टीका लगवाने में सफल रहे हैं। मैं सभी सूरत के वासी से अपील कर रही हूं कि अभी भी छ लाख से अधिक लोगों ने वेक्सिन का दूसरा टीका नहीं लिया है। वह लोग जल्द से जल्द वेक्सिन का दूसरा टीका लेकर खुद को सुरक्षित करें। शहर में 37.34 लाख लोगों ने वेक्सिन का प्रथम टीका लिया है। 23.80 लाख लोगों को दूसरा टीका लगाया गया है। हालांकि अभी भी 6 लाख से अधिक लोगों ने दूसरा टीका नहीं लिया है।

ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने के लए टीका लगाओ मुफ्त तेल पाओ की प्रोत्साहक योजना शुरु की गई। इस कार्य में युवा अनस्टोपेबल संस्थान का योगदान मिला है। पालिका द्वारा दूसरे टीके से वंचित 6 लाख से अधिक लाभार्थी को प्रोत्साहन करने के लिए मुफ्त तेल की स्कीम शुरु की गई जिसके तहत शहर के 78 वेक्सिन सेन्टरों पर दूसरा टीका लगानेवालों को मुफ्त तेल वितरण किया गया।

सूरत मनपा कमिश्रर श्री,पानी विभाग के कार्यवाही हेतु 3 महीने में मिली मंजूरी

क्रांति समय,सूरत

सूरत, सूरत मनपा के उधना ज़ोन में वड़ोद क्षेत्र तिरुमति सर्कल के

पास श्री राम मार्लब के सामने 3 महीने से ज्यादा समय से पानी लीकेज होने के बाद आज तक अभी रिपेयरिंग कामचलाऊ कर को देने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही न होने से क्या कोई कोंट्रकटर को लाभ पहुचने के कर सकता हैं जो आयुक्त श्री सिर्फ प्रयास में लाखो लीटर पानी गटर में मिटिग में ब्यस्त हो उस सूरत मनपा जा रहा होने की फरियाद अधिकारी आयुक्त के विभाग के अधिकारी और कर्मचारी अपने निजी कार्य में ब्यस्त नजर आते हैं, लेकिन अपने विभाग की कार्य की जिम्मेदारी सिर्फ जनता जनार्दन की होती हैं, सुचना मांगने पर उपलब्ध नही हैं या विभाग की निजी नही लेकिन व्यकित की निजी रिकोर्ड बता कर नही दिया जाता, अब तो सूरत मनपा आयुक्तऔर उनके अधिकारी फोन सिर्फ कुछ नजदीकी व्यकितगत लोगों की फोन उठाकर बात करते हैं न की आम जनता के लोगों के टेक्स की रकम की बर्बादी कर रहे अधिकारी और कर्मचारी का पगार भी अब जनता अपना पेट काटकर दे रही हैं, मानव अधिकार का हन्न करना मनो एक परम्परा बना दिया हैं

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है। - प्रेमचंद

संपादकीय

विकास की ओर

राष्ट्रीय राजधानी के निकट जेवर में देश के सबसे विशाल हवाई अड्डे का शिलान्यास न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश के लिए भी गौरव का विषय है। यह विकासशील भारत की जरूरत ही नहीं, बल्कि दुनिया की मांग है कि भारत में ज्यादा से ज्यादा विश्वस्तरीय एयरपोर्ट बनाए जाएं। नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बने 59 वर्ष हो जाएंगे, इसका विस्तार लगातार किया गया है, लेकिन जिस तरह यह दबाव झेल रहा है, उसे देखते हुए नए बड़े हवाई अड्डे की जरूरत पिछले तीन दशक से महसूस की जा रही थी। नई दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा विदेश से आने-जाने वाले हवाई भार के 27 प्रतिशत को अकेले वहन करता है। अमूमन एक दिन में 1,300 तक छोटे-बड़े हवाई जहाज यहां से आते-जाते हैं। ऐसे में, वर्तमान एयरपोर्ट से लगभग 72 किलोमीटर दूर नया एयरपोर्ट वाकई जरूरी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस एयरपोर्ट का शिलान्यास विकास की अन्य परियोजनाओं को भी बल प्रदान करेगा। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दावा किया है कि यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा, तो कोई दोराय नहीं। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तैयार हो जाएंगे। प्रदेश में 2012 तक दो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट थे, लखनऊ व वाराणसी। कुशीनगर में तीसरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पिछले महीने शुरू हुआ है और अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माणाधीन है। राज्य में फिलहाल कुल आठ एयरपोर्ट संचालित हैं, जबकि 13 एयरपोर्ट और सात हवाई पट्टियां विकसित की जा रही हैं। जेवर में तैयार हो रहा उत्तर प्रदेश का पांचवां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट इसलिए भी खास होगा, क्योंकि यह उत्तर प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की भी सेवा करेगा। एयरपोर्ट के पहले चरण में सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की सेवा करने की क्षमता होगी व एयरपोर्ट पूरा होने के बाद हर साल करीब सात करोड़ लोगों की सेवा कर सकेगा। इसका निर्माण 36 महीनों में पूरा किया जाना है, अर्थात तेज निर्माण हो, तो यह अगले लोकसभा चुनाव से पहले भी पूरा हो सकता है। यह एयरपोर्ट हर तरफ से सड़क, रेल और मेट्रो मार्ग से जुड़ा होगा। निस्संदेह, पिछले वर्षों में देश की जरूरतों के अनुरूप परिवहन सुविधाओं का तेजी से विकास हो रहा है। तमाम राजमार्गों को चौड़ा करना, नए एक्सप्रेस वे बनाना और परस्पर सुव्यवस्थित ढंग से तमाम सुविधाओं को जोड़ना मायने रखता है। किसी भी देश की सूरत ऐसे ही बदलती है। भारत में यह काम उदारीकरण के तत्काल बाद तेजी से होना चाहिए था, लेकिन तब संसाधनों का भी अभाव था और इच्छा में भी कहीं न कहीं कमी थी। ज्यादातर लोग मानते हैं कि विकास होता है, तो सड़कें अच्छी बनती हैं, लेकिन सही चिंतन में पहले अच्छी सड़कें आती हैं और उसके बाद ही विकास तेज होता है। देश के तेज विकास के लिए भूमि, रेलवे, जल और वायु पर निर्बाध बहु-आयामी संपर्क का विकास अपरिहार्य है। हमारी सरकारों को इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से काम करना चाहिए। सरकारें ऐसे विकास के लिए काम करेंगी, तो राजनीतिक पृष्ठभूमि में भी सकारात्मक बदलाव दिखेंगे। यदि यह गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का आगाज है, तो शानदार अंजाम हम आने वाले वर्षों में देखेंगे।

कुपोषित विकास एवं कुपोषण की त्रासदी

- ललित गर्ग

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी ताजा रिपोर्ट न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली हैं। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक ओर विकास और अर्थव्यवस्था की भावी सुखद तस्वीर की चमक की बात की जा रही हो और दूसरी ओर देश में बच्चों के बीच कुपोषण की समस्या के गहराते जाने के आंकड़े सामने आएं। जबकि अमूमन हर कुछ रोज बाद इस तरह की बातें शीर्ष स्तर से कही जाती रहती हैं कि बच्चे चूंकि भविष्य की उम्मीद और बुनियाद हैं, इसलिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने सहित बाकी मामलों में भी उनके जीवन-स्तर में बेहतरी जरूरी है। लेकिन ताजा कुपोषण एवं भुखमरी के आंकड़े शासन-व्यवस्था की एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक देश में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिन्ताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार देश में तैंतीस लाख से ज्यादा बच्चे कुपोषित हैं। इनमें से आधे से अधिक बच्चे अत्यंत कुपोषित की श्रेणी में आते हैं। ये आंकड़े पिछले साल विकसित पोषण ऐप पर पंजीकृत किए गए, ताकि पोषण के नतीजों पर निगरानी रखी जा सके। फिलहाल आंगनवाड़ी व्यवस्था में शामिल करीब 8.19 करोड़ बच्चों में से चार फीसद से ज्यादा बच्चों को कुपोषित के दायरे में दर्ज किया गया है। लेकिन न सिर्फ यह संख्या अपने आप में चिंताजनक है, बल्कि इससे ज्यादा गंभीर पक्ष यह है कि पिछले साल नवंबर की तुलना में इस साल अक्तूबर में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की तादाद में इक्यानबे फीसद की बढ़ोतरी हो गई है। विचित्र यह भी है कि बच्चों के बीच कुपोषण की समस्या जिन राज्यों में सबसे ज्यादा है, उनमें शीर्ष पर महाराष्ट्र है। दूसरे स्थान पर बिहार और तीसरे पर गुजरात है। बाकी राज्यों में भी स्थिति परेशान करने वाली है, मगर यह हैरानी की बात है कि बिहार के मुकाबले महाराष्ट्र और गुजरात जैसे विकसित राज्यों में संसाधन और व्यवस्था की स्थिति ठीक होने के बावजूद बच्चों के बीच कुपोषण चिंताजनक स्तर पर है। एक अन्य अध्ययन में कहा गया है कि भुखमरी एवं कुपोषण के खिलाफ दशकों से हुई प्रगति कोरोना महामारी की वजह से प्रभावित हुई है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में भूख, कुपोषण एवं बाल स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की गई है। यह चिन्ताजनक स्थिति विश्व का कड़वा सच है लेकिन एक शर्मनाक सच भी है और इस शर्म से उबरना जरूरी है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।' हालत यह है कि वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत एक सौ एक वें स्थान पर जा चुका है। ऐसे में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह तमाम बाधाओं के बीच अनिवार्य कार्यक्रमों को कैसे सुचारुरूप से संचालित करती है। वरना मौजूदा निराशाजनक तस्वीर के रहते हम किस कसौटी पर विश्व में एक बड़ी शक्ति होने का दावा कर सकेंगे? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कुपोषित बच्चों की मौजूदा समस्या विकास के दावों के सामने आईना बन कर खड़ी रहेगी। दरअसल, इस मसले पर हालात पहले ही संतोषजनक नहीं थे, लेकिन बीते एक साल के दौरान बच्चों के बीच कुपोषण की समस्या ने तेजी से अपने पांव फैलाए हैं। यह स्थिति तब है जब देश में एकीकृत बाल विकास जैसी महत्वाकांक्षी योजना से लेकर स्कूलों में मध्याह्न भोजन जैसे अन्य कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हालांकि बीते डेढ़ साल से ज्यादा समय से कोरोना महामारी की रोकथाम के क्रम में कई योजनाओं पर अमल में बाधाएं आई हैं। पूर्णबंदी के दौर में पहले ही करोड़ों लोग रोजी-रोजगार से वंचित हुए और इससे उनके खानपान और पोषण पर गहरा असर पड़ा। महामारी के डेढ़ साल में कुपोषण के मोर्चे पर हालात और दयनीय हुए हैं। अब इस संकट से निपटने की चुनौती और बड़ी हो गई है। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? आर्थिक सुधारों के क्रियान्वयन के लगभग 30 वर्षों के बाद असमानता, भूख और कुपोषण की दर में वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि समृद्धि के कुछ टापू भी अवश्य निर्मित हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोविड-19 के असर से पैदा हो रहे आर्थिक एवं सामाजिक तनावों पर विस्तृत जानकारी हासिल की है। भारत को लेकर प्रकाशित आंकड़े चिंताजनक हैं। एक तरफ हम खाद्यान्न के मामले में न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अनाज का एक बड़ा हिस्सा निर्यात करते हैं। वहीं दूसरी ओर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कुपोषित आबादी भारत में है। भारत में महिलाओं की पचास फीसदी से अधिक आबादी एनीमिया यानी खून की कमी से पीड़ित है। इसलिए ऐसे हालात में जन्म लेने वाले बच्चों का कम वजन होना लाजिमी है। राइट टु फूड कैंपेन नामक संस्था का विश्लेषण है कि पोषण गुणवत्ता में काफी कमी आई है और लॉकडाउन से पहले की तुलना में भोजन की मात्रा भी घट गई है। सवाल है कि अगर बच्चों में कुपोषण की समस्या चिंताजनक स्तर पर बरकरार रही तो विकास और बदलाव के तमाम दावों के बीच हम कैसे भविष्य की उम्मीद कर रहे हैं? भारत के साथ एक और विडम्बना है कि यहां एक तरफ विवाह-शादियों, पर्व-त्यौहारों एवं पारिवारिक आयोजनों में भोजन की बर्बादी बढ़ती जा रही है, तो दूसरी ओर भूखें लोगों के द्वारा भोजन की लूटपाट देखने को मिल रही है। भोजन की लूटपाट जहां मानवीय त्रासदी है, वही भोजन की बर्बादी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। एक तरफ करोड़ों लोग दाने-दाने को मोहताज हैं, कुपोषण के शिकार हैं, वहीं रोज लाखों टन भोजन की बर्बादी एक विडम्बना है। एक आदर्श समाज रचना की प्रथम आवश्यकता है अमीरी-गरीबी के बीच का फासला खत्म हो।

लोहे की दीवार से अस्मिता की जंग

अरुण नैथानी

'मेरे पास आरोप के कोई प्रमाण नहीं हैं। कुछ दे पाना संभव भी नहीं है। कोई ऑडियो-वीडियो सबूत भी नहीं है। मेरे पास अस्मिता से खिलवाड़ के बुरे अनुभव हैं। लेकिन यह हकीकत है कि मैंने पूर्व उपप्रधानमंत्री पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाये हैं। वे कह सकते हैं कि आरोप झूठे हैं। वे इसकी परवाह नहीं करते। मुझे पता है कि चीन जैसी व्यवस्था में इतने बड़े आदमी से टकराना पर्वत पर पत्थर मारने जैसा है। कह सकते हैं कि आग से किसी कीट-पतंगे का टकराव मोल लेना।' ये मर्म को आहत करने वाले शब्द उस चीन की टेनिस स्टार पंग शुआई के हैं जो पिछले दिनों अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में रही। जिसके लापता होने से पूरा विश्व, खेल जगत हैरत में था। इस घटनाक्रम ने जहां दुनिया के टेनिस व खेल जगत में सनसनी मचा दी वहीं चीन के राजनीतिक नेतृत्व को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। दरअसल, पंग शुआई चीन की ऐसी पहली टेनिस स्टार है, जिसने अंतर्राष्ट्रीय टेनिस में पहली रैंकिंग हासिल की। वर्ष 2014 में उसे महिला टेनिस संघ ने डबल्स स्पर्धा में एक नंबर की रैंकिंग दी थी। तब उसने विंबलडन समेत कई खिताब जीते थे। उसकी गिनती चीन में टेनिस के अव्वल खिलाड़ियों में होती रही है। उसने डबल्स स्पर्धा के करीब 23 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीते हैं। उसने बीते साल तक खेल जगत में खूब सक्रियता दिखायी। आठ साल की उम्र में टेनिस खेलने की शुरुआत करने वाली पंग शुआई ने कड़ी मेहनत व लगन से अपना मुकाम बनाया। वर्ष दो हजार में अपने खेल की शुरुआत करने वाली पंग शुआई ने वर्ष 2001 में अपना पहला एकल खिताब हासिल जीता। उसकी गिनती एक दशक तक दुनिया के शीर्ष सौ टेनिस खिलाड़ियों में होती रही है। वहीं छह सीजन तक उसकी गिनती शीर्ष पचास खिलाड़ियों में होती रही है। वर्ष 2014 में उसकी रैंकिंग चौदहवीं थी। उसने अपने खेल से जो मुकाम अंतर्राष्ट्रीय जगत में हासिल किया, वह किसी दूसरे चीनी खिलाड़ी को नसीब नहीं हुआ। अपने टेनिस कोच चाचा से प्रेरित होकर टेनिस की दुनिया में उतरी पंग शुआई का जन्म आठ जनवरी 1986 को चीन के हुनान प्रांत में हुआ। उसके पिता पंग जीजम एक पुलिसकर्मी थे। यह उसकी हिम्मत ही थी कि बारह वर्ष की उम्र में एक गंभीर बीमारी होने पर परिवार के मना करने के बावजूद उसने आप्रेशन करवाया और कड़ी मेहनत व हौसले के साथ टेनिस की दुनिया में आ गई। पिछले दिनों वह मीडिया की सुर्खियां तब बनी जब उसके लापता होने की खबरें आई। इस खबर ने टेनिस व खेल जगत में तहलका मचा दिया। विश्व महिला टेनिस संघ और दुनिया के कई चोटी के टेनिस खिलाड़ियों ने उसके लापता होने पर चिंता जताई। दरअसल, पिछले दिनों पंग शुआई ने चीनी सोशल मीडिया वीबो अकांउट पर एक संदेश डालकर एक वरिष्ठ चीनी नेता पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाये। हालांकि कुछ मिनटों के बाद उनका मैसेज डिलीट कर दिया गया। उसके बाद उन्हें सार्वजनिक जीवन में नहीं देखा गया। दुनिया भर में इस मुद्दे को उछलते देख चीनी सरकारी मीडिया बचाव में नजर आया। एक ईमेल के जरिये बताने की कोशिश हुई कि वह ठीक-ठाक है। कुछ वीडियो भी सरकारी सूचना माध्यमों में उनके सामाजिक जीवन में सक्रिय होने व सुरक्षित होने को दर्शाते रहे। लेकिन विश्व महिला टेनिस संघ व अन्य खिलाड़ियों ने इस मेल व वीडियो की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किये। दरअसल, पंग शुआई ने चीन के पूर्व उपप्रधानमंत्री जांग गाओली पर जबरन यौन संबंध बनाने के लिये बाध्य करने का आरोप लगाया था। चीन समेत दुनिया में इस बात पर हंगामा हुआ क्योंकि वहां पहली बार किसी बड़े चीनी नेता पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगे थे। विवाद इसलिये भी बढ़ा क्योंकि जांग को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का करीबी माना जाता रहा है। इस पैंतीस वर्षीय खिलाड़ी का आरोप है कि उस पर पहली बार तब इस तरह का दबाव बनाया

गया जब वह इस चीनी नेता के घर टेनिस खेलने गई थी। दरअसल, जांग वर्ष 2018 तक पांच वर्ष के लिये चीनी उपप्रधानमंत्री रहे थे। इस घटना के बाद अंतर्राष्ट्रीय टेनिस सितारे उसके पक्ष में सामने आये और गंभीर आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग की। इन सितारों में रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच, नाओमी ओसाक तथा सेरेना विलियम्स जैसे खिलाड़ी शामिल थे। इस घटना के बाद सरकारी स्तर पर तो प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी लेकिन सरकारी टीवी पर उसकी एक मेल कुशलक्षेम दर्शाती नजर आई। जिस पर महिला टेनिस संघ के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि यह मेल संदेह को और गहरा करती है। फिर सरकारी मीडिया से जुड़े एक संपादक ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया, जिसमें पंग शुआई को अपने कोच व मित्रों के साथ रात्रिभोज करते एक रेस्टोरेंट में दिखाया गया। हालांकि कालांतर बीते रविवार को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष ने वीडियो काल के जरिये पंग शुआई से बातचीत करने की बात कही। उनको पंग शुआई ने बताया कि वह ठीक है और उसकी चिंता करने के लिये विश्व बिरादरी व खेल जगत का आभार व्यक्त करती है। जाहिर सी बात है कि लौह आवरण वाली चीनी व्यवस्था में किसी खिलाड़ी का सत्ता प्रतिष्ठानों से टकराना उसकी नियति पहले ही तय कर देता है। कहना कठिन है कि पंग शुआई कितनी सुरक्षित है और कितनी संतुष्ट।

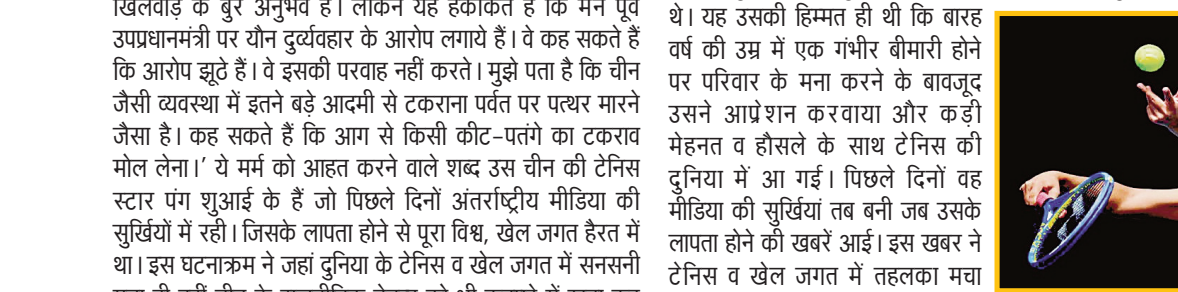

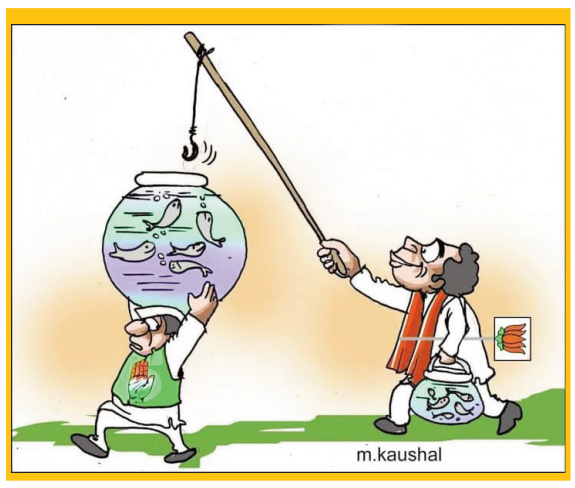

परमात्मा से पुकार

श्रीराम शर्मा आचार्य/ आत्मा ने परमात्मा से याचना की 'असतो मा समय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतंगमय'। यह तीनों ही पुकारें ऐसी हैं, जिन्हें द्रौपदी और गज की पुकार के समतुल्य समझा जा सकता है। निर्वस्त्र होते समय द्रौपदी ने अपने को असहाय पाकर भगवान को पुकारा था। गज जब ग्राह के मुख में फंसता ही चला गया, पराक्रम काम न आया, जब जौ भर सूंड़ जल से बाहर रह गई, तो उसने भी गुहार मचाई। दोनों को ही समय रहते सहारा मिला। एक की लाज बच गई, दूसरे के प्राण बच गए। जीवात्मा की तात्त्विक स्थिति भी ऐसी ही है। उसका संकट इनसे किसी भी प्रकार कम नहीं है। प्रश्न उठता है कि इस स्थिति का कारण क्या है? जब इस प्रश्न पर विचार किया जाता है, तब पता चलता है कि जो असत्य था, अस्थिर था, नाशवान था, जाने वाला था, उसे चाहा गया, उसे पकड़ा गया। जो स्थिर, शात, सनातन, सत-चित आनन्द से ओत-प्रोत था, उसकी उपेक्षा की गई। फलस्वरूप भीतर और बाहर से सब प्रकार से सम्पन्न होते हुए भी अभावग्रस्तों की तरह, दीन-हीन की तरह, अभागी जिन्दगी जियी गई। सत स्थिर आत्मा है। गुण कर्म स्वभाव में सन्निहित मानवीय गरिमा ही सत है। जो सत को पकड़ता है,अपनाता है और धारण करता है, उसका आनन्द सुरक्षित रहता है। भीतर से उभरी गरिमा बाह्य जीवन को भी उल्लसित, विकसित विभूतिवान बना देती है। चिन्तन, चरित्र और व्यवहार में ऐसी शालीनता भर देती है, जिसका प्रतिफल दसों दिशाओं में अमृत तुल्य अनुदान बरसता है। 'असतो मा समय'। उसे सत की उपलब्धि हो। असत की ओर आंखें मूंदकर दौड़ने की प्रवृत्ति रुके। शान्ति का सरोवर सामने रहते हुए भी सड़न भरे दल-दल में घुस पड़ने और चीखने-चिल्लाने की आदत पर अंकुश लगे। अपने अंतराल से ही आनन्द का ऐसा निर्झर बहे, जो अपने को गौरव प्रदान करे और दूसरों की हित साधना करते हुए धन्य बने। आत्मा की दूसरी पुकार है- 'तमसो मां ज्योतिर्गमय'। हे सर्वशक्तिमान! हमें अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चल। जो क्रम अपनाया गया है, वह अंधकार में भटकने के समान है। रात के अंधियारे में कुछ पता नहीं चलता कि किस दिशा में चल रहे हैं। यथार्थता का बोध नहीं होने से ठोकर खाते और कांटों की चुभन से मर्माहत होते हैं।

सू-दोकू नवताल -1973

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

सू-दोकू -1972 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

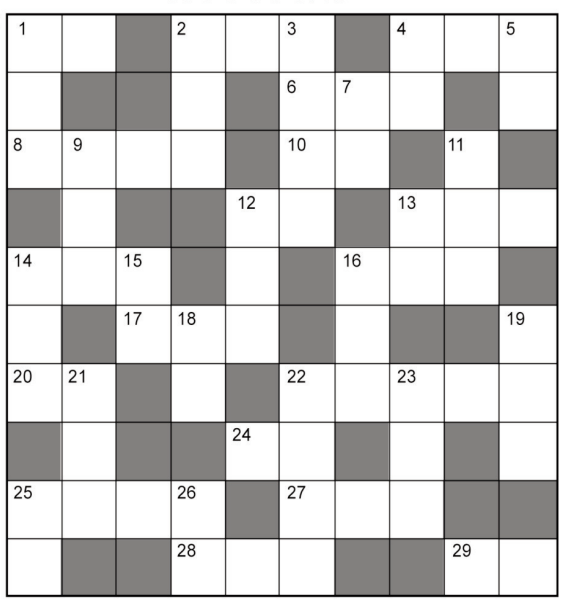

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1973

बायें से दायें:-

1. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-2
2. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
4. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-3
6. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-3
8. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-2,2
10. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-2
12. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-2
13. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-3
14. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-3
16. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-3
17. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-3
20. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
22. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-5
24. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-2
25. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-4
27. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-3
28. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-3
29. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
2. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-3
3. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-4
4. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-2
5. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-2
9. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-3
11. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-3
12. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-3
13. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-2
14. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
15. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-2
16. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-3
18. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-2
19. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-3
21. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-3
22. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-4
23. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-3
25. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-2
26. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1972

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली ।

सोने की कीमत में कारोबार के ओ खिरी दिन शुक्रवार को एक बार फिर तेजी नजर आ रही है जबकि चांदी कीमत में कुछ गिरावट दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के भाव में 0.61 फीसदी की तेजी देखी गई। वहीं चांदी 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रही हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि शादियों का सीजन जारी है, ऐसे में सोना चांदी की कीमत बढ़ जाती है जिससे इसकी कीमत को समर्थन मिलता है। यदि पीली धातु की कीमत पर गौर करें तो ये एक बार फिर धीरे धीरे 50,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव की ओर बढ़ रहा है। अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 0.61 फीसदी की तेजी के साथ 47,710 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है, वहीं दूसरी ओर चांदी 0.05 फीसदी फिसल चुकी है। सप्ताह के कारोबार के ओ खिरी दिन एक किलो चांदी की कीमत 63,117 रुपए है। गुरुवार को बाजार में धातुओं की कीमत पर नजर डालें तो मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे स्थानीय वायदा बाजार में 25 नवंबर को सोने का भाव 137 रुपए की तेजी के साथ 47,575 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर महीने की डिलिवरी के लिए सोने का भाव 137 रुपए की तेजी के साथ 47,575 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया।

एसी उद्योग के लिए पीएमपी लाने की तैयारी में मोदी सरकार

मुंबई ।

मोदी सरकार एसी उद्योग के लिए चरणबद्ध विनिर्माण योजना (पीएमपी) का विस्तार करने पर विचार कर रही है, ताकि आयात कम हो और स्थानीय मूल्यवर्धन तथा रोजगार को बढ़ाया जा सके। एक शीर्ष अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अनुराग जैन ने एसी उद्योग के लिए एक पीएमपी लाने के लिए आयोजित बैठक में मौजूद कुछ सीईओ द्वारा दिए गए सुझावों का जवाब देकर यह बात कही। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सचिव के हवाले से कहा, सरकार एसी उद्योग के लिए आयात को कम करने और स्थानीय मूल्यवर्धन और रोजगार बढ़ाने के लिए पीएमपी पर विचार करने को तैयार है।''

टारसन्स के शेयर छह प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली।

टारसन्स प्रोडक्ट्स के शेयर शुक्रवार को इसके निर्गम मूल्य 662 रुपए के मुकाबले लगभग छह प्रतिशत की वृद्धि के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर कंपनी के शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 5.74 फीसदी की बढ़त के साथ 700 रुपए पर सूचीबद्ध हुए। यह आगे 22.05 प्रतिशत उछलकर 808 रुपए पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 3.02 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 682 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। इस महीने की शुरुआत में टार्सन्स प्रोडक्ट्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव को 77.49 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। 1,023.84 करोड़ रुपए आईपीओ की कीमत 635-662 रुपए प्रति शेयर थी। टार्सन प्रोडक्ट्स अनुसंधान संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, फार्मास्युटिकल कंपनियों, डायग्नोस्टिक्स कंपनियों और अस्पतालों में प्रयोगशालाओं में उपयोग किए जाने वाले गुणवत्ता वाले उत्पादों की एक विविध श्रेणी के डिजाइन, विकास, निर्माण और आपूर्ति का काम करती है।

आईईएक्स के शेयरधारकों ने बोनस निर्गम को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) को बोनस शेयर जारी करने और अधिकृत शेयर पूंजी में वृद्धि के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने कहा कि कंपनी के शेयरधारकों ने 25 नवंबर, 2021 को निर्धारित रिमोट ई-मतदान डाक मतपत्र प्रक्रिया के माध्यम से अपेक्षित बहुमत से प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। 21 अक्टूबर, 2021 को कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयरों के निर्गम को मंजूरी दी थी, जिसमें शेयरधारकों को उनके द्वारा रखे गए प्रत्येक शेयर के लिए दो बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी की वर्तमान अधिकृत शेयर पूंजी 40.25 करोड़ रुपए है। कंपनी ने बोनस शेयर जारी करने को कवर करने के लिए अपनी अधिकृत शेयर पूंजी को बढ़ाकर 100 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखा है।

क्रिप्टोकरेंसी के समर्थन में आए पेटीएम के मालिक, कहा- अगले 5 सालों में क्रिप्टो हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएगी

कोलकाता (एजेंसी)।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर जताई जा रही तमाम आपत्तियों के बावजूद यह आभासी मुद्रा बनी रहने वाली है।शर्मा ने उद्योग मंडल इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी)के एक कार्यक्रम को 'ऑनलाइन' संबोधित करते हुए कहा कि क्रिप्टोकरेंसी असल में सुरक्षित संचार तकनीकों के अध्ययन वाली विधा क्रिप्टोग्राफी पर आधारित मुद्रा है। उन्होंने कहा कि क्रिप्टो सिलिकॉन वैली की तरफ से वॉल स्ट्रीट को एक जवाब है। मैं इसे लेकर खासा सकारात्मक हूं। क्रिप्टोकरेंसी के समर्थन में पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा का कहना है कि अगले 5-7 सालों में क्रिप्टोकरेंसी हमारे जीवन का एक हिस्सा बन जाएगी। बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी के नियमन के लिए भारत में विधेयक लाने की तैयारी चल रही है। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक भी इसके दुरुपयोग को लेकर गहरी आशंका जता चुका है।इस संदर्भ में पेटीएम संस्थापक ने कहा कि इस डिजिटल मुद्रा के बारे में इस समय भ्रम की स्थिति है। उन्होंने कहा कि हर सरकार इसे लेकर संशयग्रस्त है। लेकिन अगले पांच वर्षों में यह मुख्यधारा की प्रौद्योगिकी बन जाएगी। हालांकि उन्होंने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी परंपरागत मुद्रा की जगह नहीं ले पाएगी।

डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

एशियाई बाजार और घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी की वजह से विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया भी शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे टूटकर 74.60 पर खुला। बाजार के जानकारों का कहना है कि विदेशी मुद्रा बाजार में मजबूती की वजह से भारतीय रुपया की धारणा प्रभो वित हुई है इसे लिए रुपए में गिरावट आई है। हीं गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे की कमजोरी के साथ 74.51 रुपए के स्तर पर बंद हुआ।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने शुक्रवार को लगातार 22वें दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा नहीं करके देश के लाखों को उपभोक्ताओं को बहुत बड़ी राहत प्रदान की है। दिवाली के समय में केंद्र सरकार ने बढ़ती तेल की कीमतों से राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले वैट को कम करने का ऐलान किया था। इससे पहले सरकार ने इन पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। सरकारी कंपनियों की ओर से रोजाना तेल की कीमतों में बढ़ोतरी करने का असर रोजमर्रा के सामान की कीमतों पर भी देखने को मिल रहा है। तेल के दाम में बढ़ोतरी की वजह से चावल, दाल, आटा, सरसो तेल समेत तमाम खाद्य पदार्थ और उपभोक्ता सामान महंगे हो गए हैं। वहीं हरी सब्जियों और फलों की कीमतें भी आसमान पर है, जिसकी वजह से आम आदमी की रसोई का बजट खराब हो गया है। जहां तक तेल की कीमतों की बात है तो दिल्ली में पेट्रोल का दाम 103.97 रुपए जबकि डीजल का दाम 86.67 रुपए प्रति लीटर है, वहीं मुंबई में पेट्रोल की कीमत 109.98 रुपए व डीजल की कीमत 94.14 रुपए प्रति लीटर है। पूर्वी भारत के प्रमुख शहर कोलकाता में पेट्रोल का दाम 104.67 रुपए जबकि डीजल का दाम 89.79 रुपए लीटर है, जबकि चेन्नई में भी पेट्रोल 101.40 रुपए लीटर तो डीजल 91.43 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

कोरोना के डर से बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 58,000 और निफ्टी 17,300 के स्तर पर

मुंबई (एजेंसी)।

साउथ अफ्रीका में कोरोनावायरस का नया म्यूटेंट मिलने के कारण दुनिया भर के बाजारों में गिरावट है और इसका असर घरेलू शेयर बाजारों पर भी साफ नजर आ रहा है। दूसरे एशियाई बाजारों की तरह ही भारतीय बाजारों में आज भारी गिरावट देखने को मिली है। साउथ अफ्रीका में पाए गए कोरोना के नए वेरिएंट ने बाजार को डरा दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि कोरोना का यह नया वेरिएंट डेल्टा वेरिएंट से भी ज्यादा संक्रामक हो सकता है। शेयर बाजारों की शुरुआत शुक्रवार को काफी कमजोर हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 705.93 गिरकर 58,089.16 पर आया और वहीं निफ्टी 230.40 अंक गिरकर 17,305.85 पर आया। गौरतलब है कि दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना का फिर से बढ़ता प्रकोप है जिसका असर शेयर बाज़ार में देखने को मिला, इसलिए दवा कंपनियों के शेयर ग्रीन जोन में रहे, जबकि ऑटो मोबाइल इंडस्ट्री के शेयरों में बड़ी गिरावट जारी है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स में जोरदार गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स सुबह 1039.29 अंक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था जो कुछ समय बाद 1328.69 अंक गिरकर 57,468.48 के स्तर पर पहुंच गया, वहीं निफ्टी 395.80 अंक लुढ़ककर 17,140.45 पर कारोबार कर रहा था। वहीं शेयर बाजारों में गुरुवार को जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 454 अंक उछलकर बंद हुआ. वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज में तेजी के साथ बाजार में उछाल आया। 30 शेयरों पर आधरित सेंसेक्स 454.10 अंक की तेजी के साथ 58,795.09 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 121.20 अंक उछलकर 17,536.25 अंक पर बंद हुआ।

एरिक्सन, वीआई ने भारत में 5जी नेटवर्क पर 4जीबीपीएस की स्पीड हासिल की

पुणे (एजेंसी)।

स्वीडिश दूरसंचार कंपनी एरिक्सन ने शुक्रवार को कहा कि उसने देश में वीआई (पहले वोडाफोन आइडिया) द्वारा स्थापित 5जी परीक्षण नेटवर्क पर 4जीबीपीएस की स्पीड हासिल कर ली है। कंपनी ने 5जी परीक्षणों के हिस्से के रूप में उन्नत मोबाइल ब्रॉडबैंड (ईएमबीबी), फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) और रिमोट डायग्नोस्टिक्स उपयोग के मामलों का प्रदर्शन किया। 5जी ट्रायल नेटवर्क को वीआई द्वारा पुणे में आवंटित 3.5 गीगाहर्ट्ज मिड बैंड और 26 गीगाहर्ट्ज एमएमवेव बैंड पर स्थापित किया गया है। एरिक्सन पहले ही दुनिया भर में 98 लाइव नेटवर्क में 5जी तैनात कर चुका है। यह एरिक्सन रेडियो और एरिक्सन डुअल मोड कोर को क्लाउड नेटिव तकनीक पर आधारित करता है, जिसमें 5जी एसए, 5जी एनएसए और एलटीई पैकेट कोर फंक्शन शामिल हैं। एरिक्सन के उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह ने कहा, जबकि मोबाइल प्रौद्योगिकी की पिछली पीढ़ी उपभोक्ता और व्यक्तिगत संचार के आसपास केंद्रित थी, 5जी उपभोक्ताओं और उद्यमों की सेवा करेगा और भारत को उद्योग 4.0 की क्षमता को अनलॉक करने में सक्षम बनाएगा। एरिक्सन द्वारा स्थापित लचीला डुअल मोड कोर उद्यमों और अन्य पारिस्थितिक तंत्र भागीदारों को 5जी की क्षमता प्रदर्शित करने वाले उपयोग के मामलों को लागू करने और प्रदर्शित करने में मदद कर रहा है। उपभोक्ताओं के लिए, 5जी का अर्थ बेहतर प्रदर्शन, अल्ट्रा-हाई स्पीड और विश्वसनीय कनेक्टिविटी और बेहतर मोबाइल ब्रॉडबैंड है।

देश में 5जी लॉन्च होने पर उपभोक्ताओं के लिए शुरुआती उपयोग का मामला होने की उम्मीद है।कंपनी ने भारत में सीमित फिक्स्ड ब्रॉडबैंड पैठ के स्तर की चिंता को दूर करने और चलते समय डेटा अनुभव में सुधार करने के लिए एफडब्ल्यूए की क्षमता का भी प्रदर्शन किया।

एरिक्सन ने रिमोट डायग्नोस्टिक्स को सक्षम करके स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए 5जी की क्षमता का भी प्रदर्शन किया।

बिजली संयंत्रों को उचित कीमत पर मिलेगी प्राकृतक गैस

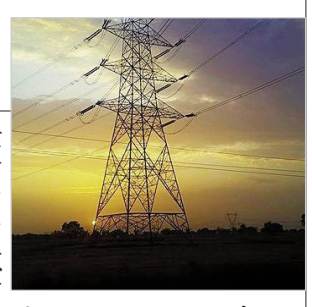

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेट्रोलियम सचिव तरुण कपूर ने कहा कि सरकार ने बिजली संयंत्रों को उचित कीमत पर प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराने के लिए जरूरी उपाय सुझाने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। भारत की गैस-आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 24,900 मेगावाट की है लेकिन उे चित दरों पर गैस की उपलब्धता नहीं होने से 14,305 मेगावाट बिजली का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। समिति के सदस्यों या उसकी रिपोर्ट के बारे में कोई ब्योरा न देते हुए कहा कि बिजली संयंत्र प्रकृतिक गैस को एक स्थिर दर पर चाहते हैं। इसकी वजह यह है कि उनकी पैदा की हुई बिजली लगभग स्थिर दरों पर बेची जाती है। अगर प्राकृतिक गैस की कीमतें ऊपर जाती हैं तो भी बिजली उत्पादक कंपनियां बिजली के दाम नहीं बढ़ा सकती हैं। लिहाजा हम बिजली क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी बढ़ाने के तौर-तरीके तलाशने में लगे हुए हैं।

15 दिसंबर से शुरू हो सकती हैं अंतरराष्ट्रीय उड़ानें, इन देशों पर लगा रहेगा प्रतिबंध

(एजेंसी):

करीब डेढ़ साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें नियमित रूप से संचालित हो सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, रेगुलर बेस पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की अनुमति दे सकती है। हालांकि उन देशों के लिए उड़ानों पर प्रतिबंध जारी रहेगा जहां कोरोना वायरस का संक्रमण अभी भी फैला हुआ है। इससे पहले बुधवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को लेकर एक बड़ा ऐलान किया गया था। सूत्रों ने कहा कि लगभग 14 ऐसे देश हैं जो उड़ानों के शुरू होने का इंतजार कर रहे थे वहां कोरोना के मामलों के फिर से बढ़ने की वजह से उन सभी देशों में अभी भी प्रतिबंध लागू रहेगा। प्रतिबंधित देशों की लिस्ट में यूरोपीय संघ और कुछ अन्य देश भी शामिल हैं जहां कोरोना के नए संस्करण का पता चला है। सरकार की तरफ से पहले ही कहा जा चुका है कि इस साल के अंत तक कोविड की वजह से उड़ानों पर लगा प्रतिबंध हटा लिया जाएगा। बता दें कि निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध मार्च 2020 से लागू है। अब सरकार कोविड की स्थिति को भांपते हुए धीरे धीरे उड़ानों से प्रतिबंध हटाने पर फैसला ले रही है। इस बीच पर्यटन उद्योग पर सरकार पर उड़ानों से प्रतिबंध हटाने का दबाव बना रही है। पर्यटन उद्योग ने उन देशों के लिए उड़ानें शुरू करने का अनुरोध किया है जहां कोरोना नियंत्रण में है। सरकार ने पहले पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 15 अक्टूबर से चार्टर्ड प्लेन से पर्यटकों को आने की अनुमति दी थी और इसके बाद 15 नवंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि यूरोप और कई देशों में कोरोना संक्रमण के दोबारा रफ्तार पकड़ने की वजह से उड़ानें शुरू नहीं हो सकी थीं।

मैक-लेवल पावर के साथ आएगा एप्पल का एआर हेडसेट : रिपोर्ट

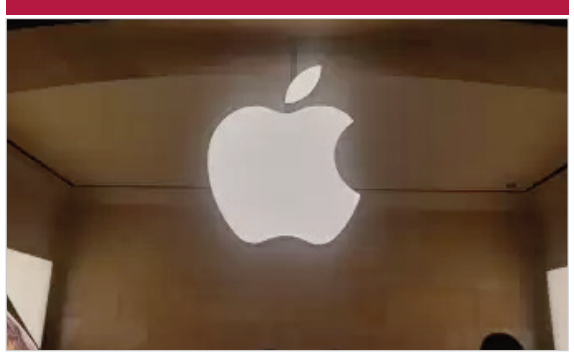

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

एप्पल अपने अघोषित एआर/वीआर हेडसेट के लिए सबसे उन्नत चिप्स पर काम कर रहा है और अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हेडसेट में दो प्रोसेसर होंगे, जिनमें से एक में एम1 के समान कंप्यूटिंग शक्ति होगी और इनपुट को विभिन्न सेंसर से संभालने के लिए एक लो-एंड चिप होगी। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल के विश्लेषक मिंग-ची कू के अनुसार, हेडसेट कम से कम छह-आठ ऑप्टिकल मॉड्यूल के साथ आ सकता है, साथ ही साथ निरंतर वीडियो देखने के माध्यम से एआर सेवाएं प्रदान कर सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि डिवाइस में सोनी की दो 4के ओएलईडी माइक्रो डिस्प्ले हैं। विश्लेषक ने उल्लेख किया कि एक आभासी या मिश्रित-वास्तविकता वाला हेडसेट बनाना, एप्पल के सर्वश्रेष्ठ आईफोन्स जैसे आईफोन 13 जैसे उत्पाद बनाने की तुलना में बहुत अधिक जटिल है। आने वाले हेडसेट का उद्देश्य उपभोक्ताओं के लिए नहीं होगा, बल्कि इसके बजाय डेवलपर्स और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एप्पल का हेडसेट उपयोगकर्ता इंटरफेस क्रांति की अगली लहर का नेतृत्व करेगा और बाजार की आम सहमति को बदल देगा कि एआर/वीआर डिवाइस मुख्य रूप से गेमिंग के लिए हैं।आगामी एप्पल हेडसेट ओकुलस क्वेस्ट के समान होगा और कुछ प्रोटोटाइप का परीक्षण किया जा रहा है जिसमें कुछ एआर सुविधाओं को सक्षम करने के लिए बाहरी कैमरे शामिल हैं। इसमें कम से कम 15 कैमरा मॉड्यूल, आई-ट्रैकिंग, संभवतः आईरिस रिकग्निशन की सुविधा हो सकती है और इसकी कीमत 2,000 से 3,000 डॉलर के बीच हो सकती है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के 29 आवेदन ही लंबित: डीपीआईआईटी सचिव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अनुराग जैन ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी दी जा रही है और वर्तमान स्थिति में केवल 29 आवेदन ही लंबित हैं। रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर आयोजित डीपीआईआईटी-फिक्की निवेशक गोलमेज बैठक में उन्होंने यह भी कहा कि जिन एफडीआई प्रस्तावों पर प्रेस नोट3 (पीएन 3) के तहत विचार करने की जरूरत है, उसको सुगम बनाया जाएगा। प्रेस नोट के तहत सरकार ने भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के निवेशकों से आने वाले निवेश प्रस्तावों के मामले में पूर्व मंजूरी को अनिवार्य किया है। इसका उद्देश्य कोविड-19 महामारी में मौके का फायदा उठाते हुए घरेलू कंपनियों के अधिग्रहण पर अंकुश लगाना है। भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमा और अफगानिस्तान हैं। उस निर्णय के अनुसार, इन देशों से आने वाले एफडीआई प्रस्तावों को भारत में किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिए सरकार की मंजूरी की आवश्यकता है। जैन ने कहा कि हमने तीन महीने से भी कम समय में एफडीआई के मामले में काफी मंजूरी दी है। केवल 29 प्रस्ताव ही अभी मंजूरी के लिए लंबित हैं। इसमें कोई भी पीएन3 से संबंधित प्रस्ताव नहीं है। एकल मंजूरी व्यवस्था के बारे में उन्होंने कहा कि अब तक 10 राज्यों और केंद्र सरकार के विभागों को एकीकृत किया गया है। 31 दिसंबर तक यह संख्या बढ़कर 14 या 16 हो जाएगी। हमारा लक्ष्य भी 32 विभागों को एकीकृत करने का है। इस बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पूर्वोत्तर औद्योगिक विकास योजना अधिकार प्राप्त समिति ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में 105 नई इकाइयों के पंजीकरण को मंजूरी दी है।

एयरटेल के सभी प्रीपेड रिचार्ज प्लान हुए महंगे

मुंबई (एजेंसी) ।

एयरटले के प्रीपेड रिचार्ज प्लान शुक्रवार 26 नवंबर से महंगे हो गए हैं। अब एयरटेल का सबसे सस्ता 79 रुपये रुपए का प्लान 99 रुपए का हो जाएगा। अब एयरटल के वॉइस प्लान जो पहले 79 रुपए से शुरू था अब 99 रुपए में मिलेगा। इस प्लान में 28 दिन की वैलिडिटी मिलेगी। इसके अलावा 200 एमबी डेटा और एक पैसा प्रति सेकंड वॉयस टैरिफ जैसे फायदे मिलेंगे। एयरटेल ने 149 रुपए के प्लान को बढ़ाकर 179 रुपए, 219 रुपए का 265 रुपए, 249 और 298 रुपए प्रीपेड प्लान की कीमत अब क्रमशः 299 और 359 रुपए होगी। टेलिकॉम कंपनी की सबसे फेमस 598 रुपए का प्रीपेड प्लान अब 719 रुपए में मिलेगा। एयरटेल ने अपने सभी प्रीपेड प्लान के रेट महंगा कर दिया है। 84 दिनों की वैधता वाले एयरटेल प्रीपेड प्लान की कीमत अब कम से कम 455 रुपए होगी। 598 रुपए के प्रीपेड प्लान की कीमत 719 रुपए होगी और 698 रुपए के प्लान की कीमत 839 रुपए कर दी गई है। सालाना प्रीपेड प्लान यानी 365 दिनों की वैधता के साथ वाला 1,498 प्रीपेड प्लान अब 1,799 रुपए में मिलेगा। प्रीपेड प्लान सीधे 300 रुपए बचा सकते हैं। वहीं अब 2,498 रुपए का प्लान 2,999 रुपए में मिलेगा। 48 रुपए, 98 रुपए और 251 रुपए के वाउचर अब 58 रुपए, 118 रुपए और 301 रुपए में मिल जाएगा।

मैक्स वेर्स्टाप्पेन बोले- बैस्ट ड्राइवर बना तो छोड़ सकता हूं फार्मूला-1

खेल डैस्क । रेड बुल के मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने खुलासा किया है कि अगर वह इस सीजन में वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियनशिप जीत जाते हैं तो वह फॉर्मूला 1 से रियाटर हो जाएंगे। बीबीसी रेडियो 5 लाइव से बात करते हुए मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने कहा कि एक बार वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियनशिप जीत जाता हूं तो मैं फॉर्मूला 1 से जा सकता है। दरअसल वेर्स्टाप्पेन का यह जवाब तय आया आया जब उनसे पूछा गया था कि यदि आप इस वर्ष विश्व चैंपियन नहीं बन पाते तो आपकी क्या महत्वाकांक्षा होगी। लक्ष्य क्या होंगे ? मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने कहा कि फार्मूला 1 में बस इतना ही ... आपने इसे पूरा कर लिया है, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने जीते हैं क्योंकि आप पहले ही एक जीत चुके हैं। बेशक, मैं हमेशा अधिक जीतने की कोशिश करूंगा, लेकिन यह हो गया ... यह अंतिम लक्ष्य है। मैंने लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। मुझे ड्राइविंग में बहुत मज़ा आता है लेकिन अब मुझे फॉर्मूला 1 के बाहर अन्य कारणों पर भी सोचना होगा। मैक्स वेर्स्टाप्पेन ने साफ शब्दों में कहा कि वह अपने चैंपियनशिप प्रतिद्वंद्वी लुईस हैमिल्टन की तरह कई चैंपियनशिप जीतने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं रखते। 36 वर्षीय हैमिल्टन ने रिकॉर्ड सात विश्व ड्राइवर चैंपियनशिप जीती हैं, जिसमें पिछले सात में से पांच चैंपियनशिप शामिल हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हॉकी टीम की अगुवाई करेंगे मनप्रीत, श्रीजेश टीम से बाहर

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह 14 से 22 दिसंबर तक ढाका में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में 20 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को टीम में शामिल नहीं किया गया है। चैंपियनशिप में भारत अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन दक्षिण कोरिया के खिलाफ करेगा। सिंगल-पूल टूर्नामेंट में जापान, मलेशिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश टीमें भी भाग लेंगी। हरमनप्रीत सिंह को उप कप्तान बनाया गया है। फॉरवर्ड लाइन का नेतृत्व ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह, गुरसाहिब जीत सिंह और शिलानंद लकड़ा करेंगे। मुख्य कोच ग्राहम रीड ने टीम की घोषणा के बाद कहा कि खिलाड़ियों का चयन भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है, क्योंकि भारत 2022 में खेलों में व्यस्त रहेगा, जहां वे चीन के हांग्जो में एशियाई खेलों में न केवल खेलेंगे बल्कि राष्ट्रमंडल खेलों में भी भाग लेंगे। रीड ने कहा, इस टीम का चयन करते समय अब हमारी नजर भविष्य पर होनी चाहिए। निरंतर सफलता के लिए एक मजबूत टीम की जरूरत होती है, इसलिए खिलाड़ियों को प्रदर्शन करने के अवसर दिए जाने चाहिए। हमने एक ऐसी टीम चुनी है जिसके पास अनुभवी और युवा खिलाड़ी है, जिनके पास यह दिखाने का मौका होगा कि वे क्या कर सकते हैं। मैच में सीओवीआईडी स्थिति को देखते हुए, एफआईएच (अंतर्राष्ट्रीय हॉकी संघ) और एएचएफ (एशियाई हॉकी संघ) ने प्रत्येक खेल में 18 खिलाड़ियों को चुनने की अनुमति दी है। उन्होंने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी एक विश्व स्तरीय प्रतियोगिता है जो सभी टीमों को अगले ओलंपिक खेलों को शुरू करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगी। हम चुनौती की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत अपना दूसरा मैच 15 दिसंबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। उनका तीसरा मैच 17 दिसंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा और 18 दिसंबर को भारत मलेशिया से और उसके बाद 19 दिसंबर को जापान के खिलाफ मैच खेलेगा। 21 दिसंबर को सेमीफाइनल खेला जाएगा और 22 दिसंबर को फाइनल। मस्कट, ओमान में आयोजित कार्यक्रम के पिछले संस्करण में, भारत ने पाकिस्तान के साथ संयुक्त रूप से खिताब जीता था क्योंकि लगातार बारिश के कारण फाइनल को रद्द कर दिया गया था।

जोकोविच ने वैक्सीनेशन रिपोर्ट साझा नहीं की : ऑस्ट्रेलियन ओपन प्रमुख

मेलबर्न (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के निदेशक क्रेग टिली ने शुक्रवार को उम्मीद जताई है कि दुनिया के नंबर 1 नोवाक जोकोविच जल्द ही अपनी टीकाकरण की रिपोर्ट साझा कर देंगे। उनके मुताबिक, उम्मीद है कि उनकी रिपोर्ट जल्द ही सामने आ जाएगी क्योंकि बिना वैक्सीनेशन वाले खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन 17 जनवरी से शुरू हो रहा है और जोकोविच, जो रिकॉर्ड लगातार सातवें साल विश्व नंबर 1 रहे हैं, उन्होंने अपनी कोविड-19 टीकाकरण की रिपोर्ट साझा नहीं की है। 20 मेजर्स का विजेता स्विस स्टार रोजर फेडरर और स्पैनियार्ड राफेल नडाल के साथ टाई करने से सिर्फ एक खिताब दूर है। टिली ने शुक्रवार को सेन के वाटली को बताया, उन्होंने (जोकोविच) अभी तक कोविड वैक्सीनेशन की रिपोर्ट साझा नहीं की है। टेली ने कहा, अभी तक नोवाक ने नौ ऑस्ट्रेलियन ओपन जीते हैं और मुझे यकीन है कि वह 10वां भी जीतना चाहेंगे। मुझे नहीं लगता कि नोवाक इसे लेकर कोई जोखिम उठाना चाहेंगे।

दिनेश शर्मा बने एमपी मास्टर्स क्लासिकल शतरंज विजेता , एंजेला उपविजेता

भोपाल (मध्य प्रदेश) चेसबेस इंडिया ट्रेनिंग अकादमी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग के लिए मान्यता प्राप्त एमपी मास्टर्स शतरंज फेस्टिवल मे आज क्लासिकल टूर्नामेंट के सभी सात राउंड के बाद एलआईसी के इंटरनेशनल मास्टर दिनेश शर्मा नें अंतिम राउंड मे टॉप सीड रेल्वे के इंटरनेशनल मास्टर विक्रमादित्य कुलकर्णी को पराजित करते हुए 5 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल कर लिया जबकि 4.5 अंको पर सबसे आगे चल रही कोलम्बिया की इंटरनेशनल मास्टर एंजेला फ़्रांकों को अंतिम राउंड मे महाराष्ट्र के फीडे मास्टर सिद्धान्त गायकवाड से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह वह उपविजेता रही । मध्य प्रदेश के लिए अच्छी बात रही की प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ी सौरभ चौबे 3.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे ।अंतिम राउंड में उनके और भोपाल के अश्विन डेनियल के बीच बाजी ड्रॉ रही और अश्विन भी 3.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में चौंथे स्थान पर रहे जबकि सिद्धान्त गायकवाड पांचवें स्थान पर रहे । 3 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर विक्रमादित्य छठे तो महाराष्ट्र के इंद्रजीत महिंदकर सातवे स्थान पर रहे जबकि महाराष्ट्र के आंजनेय पाठक 2 अंक बनाकर अंतिम स्थान पर रहे । फिलहाल एमपी मास्टर्स फेस्टिवल के ब्लीट्ज़ और रैपिड टूर्नामेंट अगले दो दिन तक खेले जाएँगे ।

इंडोनेशिया ओपन 2021 : युजिन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने शुक्रवार को दक्षिण कोरिया की सिम युजिन को 14-21, 21-19, 21-14 से हराकर बाली में इंडोनेशिया ओपन 2021 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब सिंधु अंतिम चार में थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से सेमीफाइनल में भिड़ेंगी, जो दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी हैं। इंतानोन ने क्वार्टर फाइनल में जापान की असुका ताकाहाशी को 21-17, 21-12 से शिकस्त दी थी। फ्रेंच ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स के बाद सिंधु का यह लगातार तीसरा सेमीफाइनल होगा। युजिन ने सिंधु को पहले गेम में 21-14 से हराया, इसके बाद सिंधु ने दूसरे गेम में वापसी करते तुए 14-7 की बढ़त हासिल कर ली और आखिरी में भारतीय शटलर ने इसे 21-19 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त खेल दिखाया। इस दौरान, सिंधु युजिन पर तीसरे गेम में पूरी तरह से हावी रही और इस गेम को भी 21-14 से अपने नाम कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

कपिल ने पूछा, अगर हार्दिक गेंदबाजी नहीं करेंगे तो हम उन्हें ऑलराउंडर कैसे कहेंगे?

कोलकाता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हार्दिक पांड्या को एक बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा था। कुछ विशेषज्ञों उनकी तुलना महान कपिल देव से करते नहीं थक रहे थे, लेकिन इस पर खुद 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल ने हार्दिक की गेंदबाजी क्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर वह गेंदबाजी नहीं करेंगे तो हम उन्हें ऑल राउंडर कैसे कहेंगे? एक ऑलराउंडर के रूप में हार्दिक के बारे में पूछे जाने पर कपिल ने जवाब दिया, उन्हें ऑलराउंडर माने जाने के लिए दोनों काम करने होंगे। वह गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं तो क्या हम उन्हें ऑलराउंडर कह सकते हैं? वह चोट से ठीक हो चुके हैं, अब वह गेंदबाजी करेंगे। कपिल ने रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को अपना पसंदीदा ऑलराउंडर बताया। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि अश्विन और जडेजा दोनों बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। मैं इन दिनों सिर्फ क्रिकेट को देखकर आनंद लेता हूं। मैं आपके दृष्टिकोण से नहीं देखता। मेरा काम खेल का आनंद लेना है। कपिल ने कहा कि भारतीय टीम के कोच होने के नाते राहुल द्रविड़ को बतौर खिलाड़ी जितनी सफलता मिली है, उससे कहीं ज्यादा सफलता कोचिंग में मिलेगी।

रियो ओलिंपिक के प्रमुख नुजमैन को 30 साल कैद की सजा

रियो डी जनेरियो। ब्राजील ओलंपिक समिति (सीओबी) के पूर्व अध्यक्ष कार्लोस आर्थर नुजमैन को कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 30 साल 11 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में जज मार्सेलो ब्रेटास ने कहा, 79 साल के पूर्व अध्यक्ष ने 2016 ओलंपिक की मेजबानी के लिए वोट खरीदने की गलत योजना बनाई थी। उन्होंने कहा, कार्लोस नुजमैन के अपराध अत्यधिक निंदनीय हैं। वे सब कुछ जानते हुए भी लालच में आकर अपराधों को अंजाम देने के लिए अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। ब्राजील के कानून के तहत, नुजमैन अपनी सभी अपीलों के लंबित रहने तक मुक्त रहेंगे। इस मामले में रियो के पूर्व गवर्नर सर्जियो कैब्राल, उद्यमी आर्थर सोरेस और रियो 2016 के संचालन प्रमुख लियोनाडरे ग्रिनर को भी दोषी पाया गया। जांचकर्ताओं के बताया कि नुजमैन, कैब्राल, सोरेस और ग्रिनर ने ओलंपिक होस्टिंग अधिकारों के लिए वोटों के बदले में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष लैमिन डियाक और उनके बेटे डियाक को रिश्वत दिया गया था।

डिएगो माराडोना की पुण्यतिथि पर प्रशंसकों ने उन्हें याद किया

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)।

फुटबॉल के हजारों प्रशंसकों ने फुटबॉल के दिग्गज डिएगो माराडोना की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। एक साल पहले 25 नवंबर को माराडोना ने 60 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से दम तोड़ दिया था।अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने गुरुवार शाम ट्वीट करते हुए कहा, आज आपके जाने का एक साल हो गया है। आपकी याद हमेशा अर्जेंटीना के दिलों में रहेगी। हम आपको याद करते हैं, डिएगो।बोका जूनियर्स ने एक वीडियो जारी किया और कहा कि आपने हमें कभी नहीं छोड़ा, आप हर प्रशंसक के दिल में हैं।अर्जेंटीना की वर्तमान राष्ट्रीय टीम के कप्तान लियोनेल मेस्सी ने एल्बीसेलेस्टे शर्ट पहने हुए अपनी एक तस्वीर प्रकाशित की, जिसमें उनके सीने पर माराडोना की छवि थी। मेसी ने बाद में स्पेनिश अखबार मार्का को दिए गए एक इंटरव्यू में कहा, ऐसा लगता है कि यह कल की ही बात है और मुझे एक अजीब सा अहसास हो रहा है।माराडोना की मौत ब्यूनस आयर्स में उनके मस्तिष्क पर रक्त के थक्के जमने से हुई थी। कई स्वास्थ्य चिकित्सक अभी भी उनके इलाज और देखभाल में कथित लापरवाही के चलते हुई मौत के आरोपों का सामना कर रहे हैं। माराडोना की बड़ी बेटी, दलमा ने अपने 1.7 मिलियन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स को बताया कि माराडोना के निधन के एक साल पूरे हो गए हैं। 1986 विश्व कप विजेता का परिवार गुरुवार सुबह उनकी याद में ब्यूनस आयर्स के पास गारिन के एक चर्च में इकट्ठा हुआ। फादर एड्रियन गेडेस ने समारोह के दौरान कहा, हम मौत का जश्न मनाने नहीं आए हैं, हम जीवन का जश्न मनाने आए हैं, वह जीवन जो डिएगो ने हमें दिया। माराडोना के सबसे छोटे बेटे, डिएगो फर्नांडो, जार्डिन डे बेला विस्टा के साथ एक कब्रिस्तान में अपनी मां वेरोनिका ओजेदा के साथ अपने पिता की कब्र के पास गया। वहां ओजेदा ने संवाददाताओं को बताया कि, हम इसलिए आए ताकि छोटा डिएगो अपने पिता से मिल सके।

एशेज सीरीज से पहले पेन ने क्रिकेट से दूर जाने का लिया फैसला

सिडनी (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा देने के एक हफ्ते बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज टिम पेन ने शुक्रवार को क्रिकेट से दूर रहने के फैसले को लेकर फिर से प्रशंसकों में हलचल मचा दी है। पेन के मैनेजर, जेम्स हेंडरसन ने शुक्रवार सुबह ट्वीट करते हुए कहा कि, अब पूर्व कप्तान पेन क्रिकेट से दूर जा रहे हैं। हम उनकी और बोनी (उनकी पत्नी) की भलाई के लिए बेहद चिंतित हैं और इस समय हम इस मामले में आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।पेन ने इस बारे में कोई फैसला नहीं किया है कि वह खेल में कब वापसी करेंगे। पेन के जाने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) चयन समिति को एक ऐसे विकेटकीपर की तलाश करना है जो गाबा टेस्ट के लिए दो सप्ताह से भी कम समय में विकेटकीपर की कमान संभाल सके। कुछ पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों ने एलेक्स कैरी और जोश को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में नामित किया है। चयनकर्ता अगले सप्ताह अभ्यास खेलों के दौरान उनकी फॉर्म पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि सितंबर में हुई गर्दन की सर्जरी के बाद पेन अच्छा खेल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। उनका नाम मार्श वन-डे कप खेलने के लिए भी नामित किया गया था, जहां उन्हें नंबर तीन पर विकेट और बल्लेबाजी करने के लिए तैयार किया गया था। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के अनुसार, 37 वर्षीय खिलाड़ी शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल होने के लिए क्वींसलैंड गए होंगे। वेबसाइट के अनुसार, लेकिन शुक्रवार सुबह एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है, क्रिकेट तस्मानिया ने पुष्टि की कि पेन अब खेल से दूर हो जाएगा। क्रिकेट तस्मानिया के बयान में कहा गया है, पिछले 24 घंटों से चर्चा में रहने के बाद, टिम पेन ने कहा कि वह भविष्य में क्रिकेट के सभी खेलों से छुट्टी ले लेंगे। पूर्व टेस्ट कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा, हां, पेन ने अपने लिए, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के लिए एक बहुत बड़ा फैसला लिया है।

सैमसन को कप्तान बनाये रखेगी रॉयल्स, अगले तीन साल तक मिलेंगे 14 करोड़

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने साल 2022 संस्करण के लिए अपने कप्तान संजू सैमसन को बनाये रखा है। एक रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान रॉयल्स ने सैमसन को 14 करोड़ रुपए में रिटेन (बरकरार) रखा है। वहीं यह भी कहा है कि सैमसन को अगले तीन साल तक हर साल 14 करोड़ रुपए मिलेंगे और वह टीम के कप्तान बने रहेंगे। वहीं अन्य खिलाड़ियों की घोषणा बाद में की जाएगी। गौरतल है कि आईपीएल के लिए मेगा नीलामी अभी शुरु नहीं हुई है। बोर्ड ने आठ मौजूदा फ्रेंचाइजी (सीएसके, केकेआर, आरसीबी, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद) को अधिकतम 4 खिलाड़ियों को बरकरार रखने की अनुमति दी गई है। बीसीसीआई ने 1-30 नवंबर तक पुरानी आठों फ्रेंचाइजियों के लिए रिटेंशन विंडो निर्धारित की है और लखनऊ और अहमदाबाद के लिए विंडो 1-25 दिसंबर तक है। बीसीसीआई ने दो नई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी लखनऊ और अहमदाबाद को मेगा नीलामी शुरू होने से पहले ही पूल में वापस जाने वाले तीन खिलाड़ियों को चुनने के लिए 33 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया था।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ब्राजील से हारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को ब्राजील ने चार देशों के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के पहले मैच में शुक्रवार को 6-1 से हरा दिया। विश्व कप 2007 की उपविजेता ब्राजील की डेबोरा ओलिवियरा ने पहले ही मिनट में गोल कर दिया, तभी भारत की मनीषा कल्याण ने आठवें मिनट में बराबरी करते हुए गोल कर दिया। इसके बाद टीम की खिलाड़ी जियोवाना कोस्टा ने 36वें मिनट में ब्राजील को फिर बढ़त दिला दी।दूसरे हाफ में ब्राजील की टीम ने चार और गोल किए। उसमें एरियाडिना बोर्गेस (52वां, 81वां मिनट), कैरोलिन फेराज (54वां) और गेसे फेरेइरा (76वां) ने गोल किये। पहले हाफ में भारतीय टीम ने ब्राजील को टक्कर दी थी। हालांकि वह दूसरे हाफ में इसे कायम नहीं रख सकी और विरोधी टीम की तरफ से उन्हें कई गोल मिले। टीम के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि वह सातवें रैंक की इस मजबूत टीम के खिलाफ गोल कर सकी जो मनीषा कल्याण ने किया था। ब्राजील की टीम ने महज 52 सेकेंड के अंदर ही पहला गोल किया था। विरोधी टीम ने भारतीय गोलकीपर अदिति चौहान को चकमा देकर गोल किया। हालांकि इसके कुछ समय बाद ही मनीषा कल्याण ने टीम को बराबरी पर ला दिया। भारत की प्यारी ने काउंटर अटैक करते हुए गेंद कल्याण को दी जिन्होंने लेफ्ट फ्लैंक से शानदार रनिंग के साथ गोल किया। इसके बाद 45वें मिनट में ही ब्राजील ने दूसरा गोल करके लीड हासिल कर ली। पहले हाफ में ब्राजील 2-1 से आगे रहा। इस मैच के साथ ही ब्राजील की मिडफील्डर फोरमिगा ने 43 वर्ष की उम्र में फुटबॉल को अलविदा कह दिया। उन्होंने सात ओलंपिक और सात विश्व कप खेले हैं। अब भारत को 29 नवंबर को चिली और दो दिसंबर को वेनेजुएला से खेलना है।

कोविड के नए स्वरूप के कारण भारत के दक्षिण अफ्रीकी दौरे को लेकर चिंता

कानपुर । दक्षिण अफ्रीका में दहशत पैदा करने वाले कोविड-19 के नए स्वरूप के कारण भारत के अगले महीने के दौरे को लेकर चिंता पैदा हो गयी है और आगामी दिनों में खिलाड़ियों के लिये पृथकवास के नियमों में बदलाव हो सकता है। भारत को 17 दिसंबर से शुरू होने वाले अपने लगभग सात सप्ताह के दौरे में तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। ये मैच चार स्थानों जोहानिसबर्ग, सेंचुरियन, पार्ल और केपटाउन में खेले जाएंगे। देश के उत्तरी हिस्से में मामले बढ़ रहे हैं और टेस्ट सीरीज के कम से कम दो स्थलों जोहानिसबर्ग और प्रिटोरिया (सेंचुरियन के करीब) में इस नये स्वरूप की चपेट में आ सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा, 'देखिए जब तक हमें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) से वहां की स्थिति का पता नहीं चल जाता तब तक हम अपने अगले कदम के बारे में नहीं बता पाएंगे। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम को मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज समाप्त होने के बाद आठ या नौ दिसंबर को रवाना होना है। बीसीसीआई भले ही वर्तमान में दौरे को लेकर कुछ नहीं कहना चाहता है लेकिन अगले कुछ दिनों में वह सीएसए से नए प्रकार बी.1.1.529 के बारे में बात कर सकता है जिसने पूरी दुनिया को सतर्क कर दिया है। बीसीसीआई अधिकारी ने संकेत दिये कि भले ही खिलाड़ियों को मुंबई से जोहानिसबर्ग चार्टर्ड विमान से भेजा जाएगा लेकिन बदली परिस्थितियों में उन्हें तीन या चार दिन के कड़े पृथकवास में रहना पड़ सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टिकाऊ खेती में खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण–पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ–साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

– खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।

– खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट–व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।

– एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

– स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2–3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग – बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स – धान–गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर – एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार–बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल–चक्र अपनाया जाये। धान–गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर – कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60–90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि – खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई–गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30–35 दिन बाद एक बार निराई–गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग – समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण – दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम – खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण – ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है– जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम – खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण – ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम – ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण – इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते हैं तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम – यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग – यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल–गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2–3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग– शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेड़ी–मेड़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10–15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्डयू) – यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग – एक ही खेत में बार–बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल–गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु – फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड वग)– राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) – इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु–मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

सार समाचार

भारत की सीमा के पास म्यांमार में 6.1 की तीव्रता का भूकंप, सहम गये लोग

कुआलालंपुर। भारत की सीमा के पास उत्तर-पश्चिमी म्यांमा में शुक्रवार तड़के 6.1 की तीव्रता का भूकंप आया। वहां कम आबादी होने के कारण नुकसान भी कम हुआ है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केन्द्र चिन राज्य की राजधानी हखा शहर के पास जमीन से 32.8 किलोमीटर (20.4 मील) की गहराई पर था, जिसके झटके सीमा पार भारत और बांग्लादेश के कस्बों तथा शहरों में भी महसूस किए गए। एजेंसी ने बताया कि इस क्षेत्र में हाल में आए भूकंपों ने भूस्खलन जैसे खतरों को बढ़ा दिया है, जिससे काफी नुकसान हो सकता है। हालांकि, यह भूकंप कम आबादी वाले क्षेत्र में आया, इसलिए इससे अधिक खतरा उत्पन्न नहीं हुआ है।

इजराइल में कोरोना वायरस के नये स्वरूप का पहला मामला सामने आया

यरूशलम। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मलावी से लौटे एक यात्री में कोरोना वायरस के नये स्वरूप से संक्रमण का मामला सामने आया है। यह नये स्वरूप (कोरोना वायरस में बदलाव के बाद उसका नया स्वरूप) से संक्रमण का देश में पहला मामला है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में शुक्रवार को बताया कि यात्री और दो अन्य संदिग्ध संक्रमितों को पृथकवास में रखा गया है।

मून ने जासूसी एजेंसी के 2 उप प्रमुख नियुक्त किए

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन ने शुक्रवार को राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) के दो उप निदेशक नियुक्त किए। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, मून ने एनआईएस के नियोजन और समन्वय कार्यालय के प्रमुख पार्क सन-वोन को पहले उप निदेशक के रूप में नियुक्त किया, जबकि एनआईएस की काउंटर-जासूसी टीम के वरिष्ठ अधिकारी चुन से-यंग को दूसरे उप निदेशक के रूप में चुना। पहले उप निदेशक को उत्तर कोरिया और विदेशी मामलों पर खुफिया जानकारी हासिल करने का काम सौंपा गया है, जबकि दूसरे उप निदेशक को जासूसी और आतंकवाद रोकने से जुड़े मामले का प्रभारी बनाया गया है। कार्यालय ने एक बयान में कहा, पार्क उत्तर कोरिया और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का एक अनुभवी विशेषज्ञ है, जबकि चुन लंबे समय से खुफिया अधिकारी है, जो काउंटर-जासूसी करने में विशेषज्ञता रखता है। मून ने कहा है कि वह यह सुनिश्चित करेगा कि एनआईएस इसे राजनीति से अलग करके एक खुफिया एजेंसी के रूप में काम करें।

यूरोपीय संघ के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए संधि पर चर्चा करेंगे मैक्रों, ड्रैगी

रोम। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली के प्रधानमंत्री मारियो ड्रैगी ने क्रिरिनेल संधि को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करने के लिए मुलाकात की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इटालियन अधिकारियों ने कहा है कि संधि न केवल दो लंबे समय के सहयोगियों के बीच संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि यूरोपीय संघ (ईयू) में भी व्यापक रूप से मजबूत होगी। रोम द्विपक्षीय वार्ता कई मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित थी, जिसमें यूरोपीय संघ को मजबूत करना, भूमध्यसागरीय और अफ्रीका के प्रति प्रतिबद्धता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बेहतर पर्यावरण नीतियां, सुरक्षा, संस्कृति और शिक्षा, आर्थिक और औद्योगिक सहयोग, अंतरिक्ष अन्वेषण पर सहयोग शामिल हैं। संधि के बारे में ज्यादा विवरण शुक्रवार को जारी होने की उम्मीद थी। प्रवास और लीबिया पर संघर्ष के बाद, हाल के सालों में इटली और फ्रांस के बीच संबंध कभी-कभी तनावपूर्ण रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में जारी की गई बाढ़ की चेतावनी

सिडनी, 26 नवंबर (आईएएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और आंधी के बाद न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू), क्वींसलैंड और विक्टोरिया के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को बाढ़ की चेतावनी जारी की गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार की रात सिडनी में एक घंटे के भीतर लगभग 30 मिमी बारिश हुई जबकि एनएसडब्ल्यू राजधानी शहर में तूफान आया था। मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने सप्ताहांत के दौरान इस क्षेत्र में और गिरावट की उम्मीद की थी। एनएसडब्ल्यू में सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में सिडनी से लगभग 300 किमी उत्तर में है, जहां बाढ़ से ग्रामीण शहर कैसिलिस में लोगों के घरों में पानी भर गया है। नमोई नदी के 7 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद गुरुवार शाम से राज्य के उत्तर में एक बस्ती पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गई है।

कोविड बूस्टर शॉट अति आवश्यक है: ऑस्ट्रेलिया के पीएम

कैनबैरा(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने नागरिकों को पत्र भेजकर उनसे जल्द से जल्द अपने कोरोना वायरस बूस्टर टीके बुक करने का आग्रह किया है, क्योंकि देश अभी भी महामारी की तीसरी लहर से जूझ रहा है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, हर ऑस्ट्रेलियाई घर को लिखे पत्र में, मॉरिसन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को खुला रखने और कोविड संक्रमण की घातक चौथी लहर से बचने के लिए बूस्टर शॉट महत्वपूर्ण है।

उन्होंने लिखा कि उच्च टीकाकरण दरों के लिए धन्यवाद, हम अब फिर से चीजें खोल रहे हैं। हमारी अर्थव्यवस्था दृढ़ता से फिर से उभर रही है, और लोग परिवार को देखने, यात्रा करने और अधिक सामान्य जीवन जीना वापस से शुरु कर रहे हैं। मॉरिसन ने कहा कि इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह सुनिश्चित करना है कि ऑस्ट्रेलिया में प्रत्येक व्यक्ति के पास बूस्टर शॉट पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया में सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए वैक्सीन बूस्टर लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि हम हम में से प्रत्येक को सुरक्षित रख सकें। 18 वर्ष और उससे अधिक आयु का प्रत्येक ऑस्ट्रेलियाई अपने दूसरे जैब के छह महीने बाद बूस्टर वैक्सीन के लिए पात्र है। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को 1,600 से अधिक नए स्थानीय रूप से अधिग्रहित कोरोनावायरस संक्रमण और सात मौतों की सूचना दी। अब तक, 16 वर्ष और उससे अधिक आयु के 92 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई लोगों को एक कोविड - 19 वैक्सीन की खुराक मिली है और 86 प्रतिशत को पूरी तरह से टीका लगाया गया है। संघीय स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने शुक्रवार को पुष्टि करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी दक्षिण अफ्रीका में पाए गए एक नए वैरिएंट की जांच के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ काम कर रहे हैं।

अचानक ताइवान पहुंचे अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति साई इंग वेन से की मुलाकात

ताइपे। (एजेंसी)। ताइवान के लिए अमेरिका के ''चट्टान की तरह मजबूत'' समर्थन की पुनः पुष्टि करने के इरादे से एक दिवसीय यात्रा पर अचानक यहां पहुंचे पांच अमेरिकी सांसदों ने स्वशासित द्वीप की राष्ट्रपति साई इंग-वेन से शुक्रवार सुबह मुलाकात की। ताइवान में अमेरिका के दूतावास 'अमेरिकन इंस्टीट्यूट इन ताइवान' (एआईटी) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के द्विदलीय सांसदों का समूह बृहस्पतिवार रात ताइवान पहुंचा और उसकी साई समेत कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने की योजना है।

यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी मुहैया नहीं कराई गई है। अमेरिकी सांसद ऐसे समय में यात्रा पर यहां आए हैं, जब ताइवान और चीन के बीच तनाव अत्यधिक बढ़ गया है। गृह युद्ध में 1949 में दोनों पक्षों के अलग होने के बाद से ताइवान में स्वशासन है, लेकिन चीन का कहना है कि यह द्वीप उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसद और डेमोक्रेटिक नेता एलिसा स्लॉटकिन ने कहा, ''जब हमारी यात्रा की खबर कल फैली, तो मेरे कार्यालय को चीनी दूतावास से स्पष्ट संदेश मिला, जिसमें मुझे यात्रा रद्द करने को कहा गया।''

साउथ कैरोलाइना के रिपब्लिकन सांसद नैंसी मेस ने बृहस्पतिवार रात ट्वीट किया, ''अभी ताइवान गणराज्य की धरती पर पहुंचे हैं।'' मार्क ताकानो, स्लॉटकिन, कॉलिन आलरेड, सारा जैकब्स और मेस ताइवान आए प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं। ताकानो ने कहा कि वे ताइवान में अपने भागीदारों और सहयोगियों को यह याद दिलाने के लिए इस सप्ताह यहां आए हैं कि एक ''स्वतंत्र और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारी प्रतिबद्धता और साझा जिम्मेदारी पहले से कहीं ज्यादा दृढ़ है।'' उन्होंने कहा कि ताइवान के साथ अमेरिका के संबंध ''चट्टान की तरह मजबूत हैं और हमारे संबंधों के और गहरे होने के साथ ही ये स्थिर बने हुए हैं।'' साई ने ताइपे में राष्ट्रपति के कार्यालय में अमेरिकी सांसदों और एआईटी निदेशक का स्वागत किया। उन्होंने अमेरिका के साथ द्वीप के निकट संबंधों को रेखांकित करते हुए दोनों पक्षों के बीच सहयोग का जिक्र किया।

साई ने कहा, ''ताइवान क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने और स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र के साझा मूल्यों को बरकरार रखने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ाना जारी रखेगा।'' इससे कुछ ही सप्ताह पहले छह रिपब्लिकन सांसदों का समूह द्वीप पर आया था। अमेरिकी सांसद इस साल तीसरी बार ताइवान आए हैं। इससे पहले जून में तीन अमेरिकी सांसद कोविड-19 टीके दान करने के लिए ताइवान आए थे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने लोकतंत्र पर चर्चा के मकसद से अगले महीने आयोजित होने वाली 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' के लिए ताइवान को भी आमंत्रित किया है और इस कदम की चीन ने कड़ी निंदा की है।

दोहा में फिर से शुरू होगी तालिबान-अमेरिका वार्ता

काबुल(एजेंसी)। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा है कि कतर की राजधानी दोहा में तालिबान और अमेरिका के बीच बातचीत फिर से शुरू होगी। अफगानिस्तान की सरकारी मीडिया एजेंसी ने मुजाहिद के हवाले से कहा, इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान के अधिकारी वार्ता फिर से शुरू करेंगे और दोहा समझौते के अनुरूप अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत जारी रखेंगे। यह बातचीत मददगार साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि वार्ता प्रतिबद्धताओं को नवीनीकृत करने, चिंताओं को दूर करने में मदद करेगी और अफगानिस्तान के फ्रीज किए गए धन को जारी करने के प्रयास जारी रहेंगे। इस बीच, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहर बाल्खी ने कहा कि कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी के नेतृत्व में काबुल का एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ बात करने के लिए 27 से 29 नवंबर तक दोहा में रहेगा। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत में फ्रीज की गई संपत्ति, मानवीय सहायता, अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास को फिर से खोलने सहित आपसी हितों से संबंधित मामलों पर चर्चा की जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका से आने वाली उड़ानों पर रोक लगाना चाहता है यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स। (एजेंसी)। यूरोपीय संघ के कार्यकारी ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 के एक नए स्वरूप को फैलने से रोकने के लिए दक्षिणी अफ्रीका से आने वाले हवाई यात्रियों पर संघ रोक लगाना चाहता है। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयेन ने एक वक्तव्य में कहा कि वह ''सदस्य देशों के साथ करीबी समन्वय से दक्षिणी अफ्रीका क्षेत्र से आने वाले हवाई यात्रियों को रोकने के लिए आपातकालीन रोक लगाने का प्रस्ताव देती हैं।'' दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस का एक नया स्वरूप सामने आया है, जिसे वैज्ञानिकों ने चिंता का सबब बताया है।

उनका कहना है कि देश की सबसे घनी आबादी वाले प्रांत गाउतेंग में युवाओं के बीच यह स्वरूप तेजी से फैला है। कोरोना वायरस के मामलों में चौथी बार वृद्धि होने से 27 देशों वाला यूरोपीय संघ बुरी तरह प्रभावित है और सरकार संक्रमण को फैलने से रोकने की कवायद में पाबंदियों को और सख्त बना रही है। उड़ानों पर प्रतिबंध का यह प्रस्ताव तब आया है जब ब्रिटेन ने बृहस्पतिवार को ऐसा ही कदम उठाया। ब्रिटेन ने घोषणा की कि वह दक्षिण अफ्रीका और पांच अन्य दक्षिणी अफ्रीकी देशों से उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रहा है और यह प्रतिबंध शुक्रवार दोपहर से लागू होगा।

साथ ही उसने कहा कि हाल में इन देशों से लौटने वाले लोगों को कोरोना वायरस की जांच कराने को कहा जाएगा। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जावेद ने कहा कि ऐसी चिंताएं हैं कि नया स्वरूप डेल्टा स्वरूप के मुकाबले ''अधिक संक्रामक हो सकता है'' और हमारे पास इसके खिलाफ जो टीके अभी उपलब्ध हैं वे कम प्रभावी हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभी जिस नए स्वरूप बी.1.1.529 की पहचान की गयी है वह दक्षिण अफ्रीका से बोत्सवाना और हांगकांग में आए यात्रियों में पाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के तकनीकी कामकाजी समूह की शुक्रवार को बैठक होनी है जिसमें वह नए स्वरूप का आकलन करेंगे और यह फैसला कर सकते हैं कि क्या इसे ग्रीक अल्फाबेट से एक नाम दिया जा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामले पिछले हफ्ते में यूरोप में 11 प्रतिशत तक बढ़ गए और यह दुनिया में इकलौता क्षेत्र है जहां कोविड-19 के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के यूरोप के निदेशक डॉ. हंस क्लुगे ने आगाह किया कि तत्काल उपायों के बिना इस महाद्वीप में गर्मियों तक 7,00,000 और लोगों की मौत हो सकती है। ऐसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए यूरोपीय संघ ने आपातकालीन रोक का तंत्र स्थापित किया है। जब किसी तीसरे देश या क्षेत्र में महामारी की स्थिति तेजी से बिगड़ती है तो सदस्य देश यूरोपीय संघ में सभी यात्रा पर तत्काल, अस्थायी पाबंदी लगा सकते हैं। ऐसी पाबंदियों की कम से कम हर दो सप्ताह में समीक्षा की जानी होती है।

धर्म बदलने से नहीं बदलती है जाति, दलित महिला से शादी करने वाले ईसाई व्यक्ति की याचिका खारिज

मुंबई। (एजेंसी)। चेन्नई। एक धर्म से दूसरे धर्म में धर्मांतरण से उस व्यक्ति की जाति नहीं बदलती है। दरअसल, मद्रास हाई कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है। आपको बता दें ईसाई धर्म अपनाने वाले एक दलित व्यक्ति ने अंतरजातीय विवाह प्रमाण पत्र की मांग की थी। अंग्रेजी समाचार वेबसाइट %टाइम्स ऑफ इंडिया% की रिपोर्ट के मुताबिक, मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि धर्मांतरण से जाति नहीं बदलती है। ऐसे में अंतर्जातीय विवाह का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति एसएम सुब्रह्मण्यम ने अनुसूचित जाति वर्ग के एक व्यक्ति की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

ए पॉल राज ने बदला था अपना धर्म

तमिलनाडु के सलेम जिले के रहने वाले ए पॉल राज द्रविड़ समुदाय से आते हैं। जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया था और फिर साल 2009 में अरुणथथियार समुदाय की एक लड़की से शादी कर ली। इसके बाद ए पॉल ने अंतरजातीय विवाह प्रमाण पत्र की मांग की। आपको बता दें कि तमिलनाडु में अंतरजातीय शादी करने वालों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में ए पॉल भी अंतरजातीय विवाह प्रमाण पत्र चाहते थे। इसके लिए उन्होंने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता जन्म से द्रविड़ समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और धर्म परिवर्तन से उनका समुदाय नहीं बदलेगा। शादी के बाद ए पॉल ने दावा किया कि यह एक अंतरजातीय विवाह था क्योंकि अब वह दलित नहीं बल्कि पिछड़ा वर्ग से आते हैं।

अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखते हैं पति-पत्नी

उन्होंने दावा किया कि बीसी सदस्य की एससी सदस्य के साथ शादी को अंतरजातीय विवाह के रूप में माना जाएगा। उन्होंने 2 दिसंबर 1976 के सरकारी आदेश का हवाला देते हुए कहा कि जहां पति या पत्नी में से एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित है तो याचिकाकर्ता के पक्ष में अंतरजातीय विवाह प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि दोनों जन्म से अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखते हैं। जाति जन्म से निर्धारित होती है और धर्म बदलने से जाति नहीं बदल जाती है।

कोविड-19 से कई यूरोपीय देशों में हाहाकार, ब्रिटेन में हालात अपेक्षाकृत काफी बेहतर

लंदन। (एजेंसी)। यूरोप के कई देशों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में हुई तेज वृद्धि को रोकने के लिए पाबंदियां सख्त की गयी है या फिर लॉकडाउन लागू है, जिसके चलते जहां ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में बार बंद हैं, वहीं दूसरी ओर जर्मनी के म्यूनिख शहर में क्रिसमस बाजार सूने पड़े हैं। इस बीच ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हालात अपेक्षाकृत काफी बेहतर हैं। यहां टेम्स नदी के निकट मौसमी बाजार में लोग मदिरा का सेवन करते दिख रहे हैं, जबकि निकटवर्ती नेशनल थियेटर में भी दर्शकों की भरमार है। शहर के दूसरे हिस्सों में भी चहल-पहल देखी जा सकती हैं। हालांकि महामारी के दौरान ऐसा पहली बार नहीं है जब ब्रिटेन में हालात पड़ोसी देशों से अलग हों, लेकिन इस बार लोग पहले की तरह घबराए हुए नहीं दिख रहे हैं।

ब्रिटेन में अब तक तीन बार राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया जा चुका है और यूरोप में कोविड-19 से रूस के बाद ब्रिटेन में ही सबसे अधिक करीब 1,45,000 लोगों की मौत हुई है। दूसरी ओर नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी, ऑस्ट्रिया और चेक गणराज्य समेत कई देशों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि के चलते अस्पतालों को संघर्ष करते देखा जा रहा है। मामलों में वृद्धि के कारण इन देशों में लॉकडाउन और पाबंदियां लागू की गई हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इन देशों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि को देखते हुए आगाह किया है कि पूरब से चली लहर ब्रिटेन में क्रिसमस के रंग को फीका कर सकती है।

हालांकि कई वैज्ञानिकों ने कहा है कि लहर अब दूसरी दिशा में बह रही है। ईस्ट एंजिला यूनिवर्सिटी मे मेडिसिन के प्रोफेसर पॉल हंटर ने कहा, हम इस लहर में यूरोप के पीछे नहीं है। वे हमारे पीछे हैं। वायरस के बेहद संक्रामक स्वरूप 'डेल्टा' के प्रसार के चलते यूरोपीय देशों में संक्रमण के मामलों में जोरदार वृद्धि देखी जा रही है। गर्मी के दौरान ब्रिटेन भी इस स्वरूप का सामना कर चुका है। इस लहर के बाद ब्रिटेन में सभी शेष पाबंदियां हटा दी गईं थीं और अर्थव्यवस्था तथा आम जन-जीवन पटरी पर लौटने लगा था।

जापान प्रोत्साहन पैकेज के लिए 314 अरब डॉलर के अनुपूरक बजट को देगा मंजूरी

टोक्यो (एजेंसी)। जापान की कैबिनेट सरकार नए आर्थिक प्रोत्साहन के लिए शुक्रवार को वित्त वर्ष 2021 के लिए रिकॉर्ड 36 ट्रिलियन येन (314 अरब डॉलर) के अनुपूरक बजट को मंजूरी देने के लिए तैयार है।समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल से चालू वित्त वर्ष के लिए पहले अतिरिक्त बजट में 22.1 ट्रिलियन येन के नए राष्ट्रीय बांड जारी करने की आवश्यकता है, जो जापान के वित्तीय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। वित्त वर्ष 2021 के लिए जापान का कुल नया ऋण जारी करना 65 ट्रिलियन येन से ज्यादा होगा, जो पिछले वित्तीय वर्ष की राशि से छोटा है। जापानी सरकार भी 6.1 ट्रिलियन येन का उपयोग करने की योजना बना रही है, जिसे वित्त वर्ष 2020 के बजट से आगे बढ़ाया गया था। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि उनके प्रशासन का लक्ष्य अगले महीने होने वाले असाधारण संसदीय सत्र में अनुपूरक बजट पारित करना है। अतिरिक्त बजट के

तहत, 18.6 ट्रिलियन येन का उपयोग वायरस से लड़ने और महामारी के आर्थिक प्रभाव को कम करने के उपायों के लिए किया जाएगा, जिसमें सरकार की बेरोजगारी बीमा प्रणाली के लिए फंड बढ़ाने के लिए 1.7 ट्रिलियन येन शामिल है, जो कि फ्रंजी श्रमिकों को भत्ते के बढ़ते भुगतान के बीच है। गो टू ट्रैवल कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 268.5 अरब येन की सरकारी सब्सिडी राशि का उपयोग किया जाएगा। पिछले दिसंबर में कोरोना संक्रमणों के बढ़ने के कारण कार्यक्रम को देशभर में निलंबित कर दिया गया था। एक हफ्ते पहले कैबिनेट ने सरकार के नए आर्थिक पैकेज को मंजूरी दी, जिसकी कीमत करीब 78.9 ट्रिलियन येन है, जिसमें निजी फंड भी शामिल है।

वन विलेज-वन फेंड को लेकर नेपाल में सक्रिय हुआ चीन, पाकिस्तान भी कर रहा है मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन एक तरफ तो पाकिस्तान को लगातार सैन्य ताकत बढ़ाने में मदद कर रहा है, और दूसरी ओर चीन और पाकिस्तान दोनों ने नेपाल में अपनी गतिविधियां तेजी से बढ़ाई हैं। इंटेलिजेंस एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक चीन ने नेपाल में चीन विरोधी सेंटिमेंट्स को काउंटर करने के लिए 'वन विलेज वन फ्रेंड' अभियान शुरू करने जा रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तानी आईएसआई अधिकारियों ने वहां अपनी सक्रियता बढ़ाई है। इंटेलिजेंस एजेंसी सूत्रों के मुताबिक नेपाल-चीन मैत्री समाज ने वन विलेज वन फ्रेंड अभियान चलाने की तैयारीयों को जोर दिया है। नेपाल-चीन मैत्री समाज इस संगठन को चीन की एंबेसी फंड करती है।

वन विलेज वन फ्रेंड की योजना के तहत नेपाल के हर गांव में से एक व्यक्ति चुना जाएगा और फिर उसे ट्रेन्ड किया जाएगा। उसे बताया जाएगा कि नेपाल में चीन का क्या क्या योगदान है। वह फिर और लोगों तक इस बात को पहुंचाएगा। इंटेलिजेंस एजेंसी सूत्रों के मुताबिक ये चीन विरोधी सेंटिमेंट्स को काउंटर कर चीन के पक्ष में माहौल बनाने की एक नई कोशिश है।

इंटेलिजेंस एजेंसी सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तानी दूतावास में तैनात आईएसआई के अधिकारी नेपाल में मदरसों और उनके कार्यक्रमों में नियमित दौरे कर रहे हैं। इंटेलिजेंस एजेंसी के अधिकारियों का मानना यह भी है कि इस तरह के दौरे से वहां का मुस्लिम समुदाय मन पर गहरा असर पड़ सकता है साथ ही वहां स्लीपर सेल छुपकर किसी और नाम से रह रहे हैं, इसकी भी बात इंटेलिजेंस एजेंसी की ओर से की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

– राज्यसभा के सभापति ने सदन की उत्पादकता में भारी गिरावट पर दुख जताया

विधायिकाओं को सरकारों के लिए जनादेश का सम्मान करना चाहिए: नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सभापति एम.वेंकैया नायडू ने कहा कि भारत के संविधान के साथ देश को एक लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने की आवश्यकता है, देश की विधायिकाओं को 'संवाद और बहस' द्वारा चलाया जाना चाहिए और लगातार व्यवधानों के माध्यम से इसे निष्क्रिय या वाधित नहीं रखना चाहिए। उन्होंने राज्यसभा की उत्पादकता में लगातार गिरावट पर चिंता व्यक्त की। श्री नायडू ने आज संसद के सेंट्रल हॉल में 'संविधान दिवस' के अवसर पर बोलते हुए संविधान की भावना, प्रावधानों और इसके वास्तविक अभ्यास के बीच के अंतर पर विस्तार से बात की। यह कहते हुए कि संविधान मूल्यों, विचारों और आदर्शों का एक कथन है और बंधुत्व की सच्ची भावना के साथ सभी के लिए न्याय, स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करने की मांग करता है। यह देश के कानून के तौर पर राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का एक सशक्त हथियार है ताकि भारत एक समुदाय के रूप में उभर सके। उन्होंने सरदार पटेल को याद करते हुए कहा कि ÷दूर की बात करें तो यह भूल जाना सभी के हित में होगा कि इस देश में अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक जैसा कुछ भी है। यह ध्यान रखना चाहिए कि भारत एक समुदाय है।÷ उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों और हितधारकों को राष्ट्र के लिए जुनून के साथ काम करना चाहिए। नायडु ने लगातार व्यवधानों के कारण असफल विधायिकाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले आम चुनावों से एक साल पहले 2018 के दौरान सदन की उत्पादकता सबसे कम 35.75 प्रतिशत पर पहुंच गई थी जो आगे चलकर पिछले 254वें सत्र में 29.60 प्रतिशत तक फिसल गई। उन्होंने आगे कहा कि जहां 1979 से 1994 तक 16 वर्षों में राज्यसभा की वार्षिक उत्पादकता 100 प्रतिशत से अधिक रही है, वहीं अगले 26 वर्षों के दौरान 1998 और 2009 में केवल दो बार ऐसा हुआ है। सभापति ने सभी संबंधितों से विधायिकाओं को इतना निष्क्रिय बनाने के मुद्दे पर विचार करने का आग्रह किया।

भारत और फ्रांस के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एक्स शक्ति 2021' का छठा संस्करण फ्रांस में संपन्न हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

द्विवार्षिक भारत-फ्रांस सैन्य अभ्यास 'एक्स शक्ति 2021' का छठा संस्करण 12 दिनों के गहन संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण के बाद 25 नवंबर को संपन्न हुआ। इस सैन्य अभ्यास में कृत्रिम इंसर्जेंसी का मुकाबला करने/आतंकवाद विरोधी माहौल से निपटने में चरमपंथी समूहों पर अपनी युद्ध शक्ति और प्रभुत्व का प्रदर्शन किया गया। इस सैन्य अभ्यास ने दोनों सैन्य टुकड़ियों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत संयुक्त माहौल में आतंकवाद विरोधी अभियानों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। यह अभ्यास दो चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें मुकाबले की तैयारी और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए सामरिक प्रशिक्षण सहित अर्ध शहरी

वातावरण में प्रशिक्षण की वैधता भी शामिल थी। दोनों टुकड़ियों ने अपनी सर्वोत्तम परिचालन प्रक्रियाओं और अनुभवों को साझा किया। दोनों सेनाओं की टुकड़ियों ने न केवल सामरिक अभ्यासों में बल्कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी कंधे से कंधा मिलाकर सद्भाव की भावना को विकसित किया। दोनों ही सैन्य टुकड़ियों ने इस अभ्यास के दौरान हासिल किए गए मानकों के संदर्भ में इस अभ्यास से अर्जित परिणामों पर संतोष व्यक्त किया। यह अभ्यास विश्व को आतंकवाद से मुक्त करने की शपथ की दिशा में एक और उल्लेखनीय मील का पत्थर साबित हुआ है। इस अभ्यास ने निश्चित रूप से दोनों भागीदार देशों के बीच सैन्य कूटनीति को आगे बढ़ाने में एक अन्य आयाम भी जोड़ा है।

26/11 आतंकी हमलों को याद कर रतन टाटा का भावुक संदेश, 13 साल पहले जो चोट लगी थी उसकी भरपाई नहीं होगी

मुंबई । मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमलों को शुक्रवार को 13 साल हो चुके हैं।इसपर उद्योगपति रतन टाटा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया है।जिसमें रतन टाटा ने कहा कि हमलों की यादें ÷हमारी ताकत का स्रोत बननी चाहिए। रतन टाटा ने मुंबई के ताजमहल पैलेस की तस्वीर शेयर कर लिखा कि 13 साल पहले जो चोट लगी थी उसकी कभी भरपाई नहीं की जा सकती है। रतन टाटा ने भावुक कर देने वाला कैप्शन लिखाकर मुंबई में 26/11 के आतंकी हमलों के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। रतन टाटा ने लिखा, आज से 13 साल पहले जो चोट खाई थी, उसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती।हालांकि, हमें उन हमलों की यादों को बनाए रखना चाहिए, जो हमें तोड़ने के लिए थे, हमारी ताकत का स्रोत बनते हैं क्योंकि हम उन लोगों का सम्मान करते हैं जिन्हें हमने खो दिया है।बात दें कि 26 नवंबर,2008 को मुंबई में 4 दिनों तक चले भयानक आतंकी हमले हुए।166 लोग मारे गए और 300 से अधिक घायल हो गए।पाकिस्तान के 10 आतंकवादियों ने ओबेरॉय-ट्राइडेंट होटल, ताजमहल पैलेस और टॉवर होटल, एक यहूदी सांस्कृतिक केंद्र, नरीमन पॉइंट पर चबाड हाउस, लियोपोल्ड कैफे और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन सहित पांच प्रमुख स्थानों पर एक साथ हमला करते हुए लगभग पूरे शहर पर हमला किया।

केंद्र सरकार संविधान के नाम पर कर रही है पाखंड: येचुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने संविधान दिवस के कार्यक्रम के आयोजन को लेकर सरकार पर निशाना साधा। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा कि सरकार संविधान की मूल विशेषताओं को कमजोर कर रही है। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने संसद के केंद्रीय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, भाकपा, माकपा, द्रमुक, अकाली दल, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद, आरएसपी, केरल कांग्रेस (एम) और आईयूएमएल इस कार्यक्रम से दूर रहे। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा यह पाखंड की पराकाष्ठा है। जब संविधन की मूल विशेषताओं को कमतर किया जा रहा है, तो उस समय संविधान दिवस मनाया जा रहा है। सभी को संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का हनन किए जाने के विरोध में विपक्षी दलों ने इसका बहिष्कार किया है।

कृषि कानूनों को वापस लेने के मोदी के फैसले से किस तरह बदलेगी पंजाब की सियासत

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा तीन कृषि कानून पास करने के बाद अकाली दल ने भाजपा के साथ हुए गठबंधन को तोड़ दिया था। बता दें कि लोकसभा में तीन कृषि बिल पास होने का अकाली दल ने विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि ये बिल किसानों और मजदूरों की छवि को भविष्य में धुंधला कर सकती है। इसके बाद किसानों ने दिल्ली सिंघु बार्डर पर अपने डेरा डालकर कृषि आंदोलन ने अपना जोर पकड़ लिया। इन तीन कृषि कानूनों के पास होने पर किसानों में भारी रोष भी पाया जा रहा है। बता दें कि एक लंबे संघर्ष के बाद मोदी सरकार ने किसानों के खिलाफ बनाए कृषि कानून वापस ले लिए हैं परंतु इसे संसद में मंजूरी मिलनी अभी बाकी है। इस बीच पंजाब में कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल अपने-अपने तरीके से किसानी मुद्दों को हल करने के लिए प्रयासरत रहे हैं, क्योंकि आगामी चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दल सक्रिय हैं। इस दौरान कैप्टन भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने भी भाजपा के साथ हाथ मिला लिया।इस्तीफा देने के बाद कैप्टन कांग्रेस सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाने में लगे हुए हैं। आगामी चुनावों को लेकर पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू और सी.एम. चन्नी भी अपने दांव-पेच लगा रही हैं। आप भी इनदिनों

पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए गारंटियों पर गारंटियां दिए जा रहे हैं लेकिन अभी तक आम आदमी पार्टी कोई भी सी.एम. चेहरा ऐलान नहीं कर सकी है। दिल्ली सी.एम. केजरीवाल भी लोगों को अपने विश्वास के घेरे में लेने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

कांग्रेस ने पूछा, अगर लोकतंत्र को मजबूत नहीं किया गया, तब फिर मोदी प्रधानमंत्री कैसे बने

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कांग्रेस ने संविधान दिवस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से विपक्ष पर निशाना साधने के बाद पलटवार कर कहा कि अगर 70 वर्षों में लोकतंत्र को मजबूत नहीं किया गया,तब फिर 2014 में मोदी प्रधानमंत्री कैसे बने। पार्टी के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा कि संसद के केंद्रीय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की ओर से विपक्ष पर निशाना साधने का कोई औचित्य नहीं था। सरकार कोई अवसर नहीं छोड़ती कि संविधान और संवैधानिक परंपराओं को दबाकर निर्णय लिया जाए।'' शर्मा ने कहा, यहां राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल भी हैं। हर दल का अपना एक संविधान होता है। हर दल स्वयं निर्णय लेते हैं। भाजपा के पास भी परिवार है। उसमें संगठन मंत्री के तौर पर लोग काम करते हैं। हर दल का काम करने का अपना तरीका है।उन्होंने पीएम मोदी पर पलटवार करते हुए कहा, 1947 से 2014 तक लोकतंत्र कमजोर नहीं, मजबूत होता रहा। अगर लोकतंत्र को संकट था और लोकतंत्र का सम्मान नहीं किया गया,तब फिर 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री कैसे बने?इसकारण क्योंकि संविधान, प्रजातंत्र और कानून का सम्मान किया गया था।कांग्रेस नेता ने कहा, आजादी के संग्राम और संविधान बनाने में अगर भाजपा के विचार से जुड़ा कोई एक व्यक्ति शामिल था,तब मैं उन्हें बधाई दूंगा। आज नया इतिहास लिखने की कोशिश हो रही है। हम ऐसा नहीं होने देने वाले है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए पारिवारिक पार्टियों को संविधान के प्रति समर्पित राजनीतिक दलों

के लिए चिंता का विषय बताया और दावा किया कि लोकतांत्रिक चरित्र खो चुके दल, लोकतंत्र की रक्षा नहीं कर सकते हैं। संसद के केंद्रीय कक्ष में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने किसी दल विशेष का नाम लिए बगैर इस आयोजन का बहिष्कार करने वाले दलों को भी आड़े हाथों लिया और इस पर चिंता जताते हुए कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का स्मरण ना करने और उनके खिलाफ ''विरोध के भाव'' को यह देश स्वीकार नहीं करेगा।

आज रामपथ यात्रा स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा

मुंबई (एजेंसी)।

रेल, कोयला और खान राज्य मंत्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे आज 27 नवंबर को वेब-लिंक के द्वारा भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा चलाई जा रही तीर्थ यात्रा स्पेशल ट्रेन ÷रामपथ यात्रा÷ को पुणे रेलवे स्टेशन से झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, पुणे के महापौर, लोकसभा और राज्य सभा के सांसद, विधायक सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस बात की जानकारी मध्य रेल द्वारा एक विज्ञप्ति जारी कर दी गई है.

– मुख्य विशेषताएं:

'रामपथ यात्रा' एक तीर्थ यात्रा स्पेशल पर्यटक ट्रेन है जो अयोध्या, नंदीग्राम, वाराणसी, प्रयाग,

श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट जैसे महत्वपूर्ण पर्यटक व धार्मिक स्थलों को कवर करने वाला एक समावेशी टूर पैकेज है। इस तीर्थ स्पेशल पर्यटक ट्रेन की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट और आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय कार्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों और पर्यटक सुविधा केंद्रों पर भी ऑनलाइन की जाती है। यह तीर्थयात्रा स्पेशल पर्यटक ट्रेन दिनांक 27.11.2021 को 08.50 बजे पुणे से रवाना होगी और उपरोक्त सभी पर्यटन स्थलों को कवर करते हुए दिनांक 4.12.2021 को 03.15 बजे पुणे लौटेगी। यात्रियों के बोर्डिंग और डिबोर्डिंग के लिए यह तीर्थयात्रा स्पेशल लोनावला, पनवेल, कल्याण, नासिक, मनमाड, चालीसगाँव, जलगाँव, भुसावल, खंडवा और इटारसी में रुकेगी। अयोध्या और वाराणसी में पर्यटकों हेतु हाल्ट प्रदान किया है। यह ट्रेन पांच एसी-3 टियर, पांच स्लीपर क्लास और एक पेंट्री कार के साथ 2 लगेज कम ब्रेक वैन के साथ चलेगी।

संविधान दिवस समारोह

जो दल स्वयं लोकतांत्रिक कैरेक्टर खो चुके हों, वे लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकते हैं: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज संसद में संविधान दिवस समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ने संबोधित किया। राष्ट्रपति ने अपने भाषण के बाद, संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा जिसका लाइव प्रसारण किया गया। राष्ट्रपति ने संविधान सभा वाद-विवाद का डिजिटल संस्करण, भारत के संविधान की सुलेखित प्रति का डिजिटल संस्करण और भारत के संविधान के अद्यतन संस्करण का विमोचन किया, जिसमें अब तक के सभी संशोधन शामिल हैं। उन्होंने 'संवैधानिक लोकतंत्र पर ऑनलाइन क्विज' का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिवस बाबासाहेब अम्बेडकर, डॉ राजेन्द्र प्रसाद, बापू जैसे दुरदेशी महानुभावों और उन सभी लोगों का नमन करने का है जिन्होंने आजादी की लड़ाई में बलिदान दिए। आज का दिवस इस सदन को नमन करने का है। उन्होंने कहा कि ऐसे दिग्गजों के नेतृत्व में बहुत मंथन और चर्चा के बाद हमारे संविधान का अमृत उभरा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि आज लोकतंत्र के इस सदन को भी नमन करने का दिन है। प्रधानमंत्री ने 26/11 के शहीदों को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, 'आज 26/11 हमारे लिए एक ऐसा दुखद दिवस है, जब देश के दुश्मनों ने देश के भीतर आकर मुंबई में आतंकवादी घटना को अंजाम दिया। देश के वीर जवानों ने आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया।आज उन बलिदानियों को भी नमन करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा संविधान सिर्फ अनेक धाराओं का संग्रह नहीं है, हमारा संविधान सहस्त्रों वर्ष की महान परंपरा, अखंड धारा उस धारा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि इस संविधान दिवस को इसलिए भी मनाना चाहिए, क्योंकि यह हमें इस बात का मूल्याकंन करने का अवसर देता है कि हमारा जो रास्ता है, वह सही है या नहीं है। प्रधानमंत्री ने संविधान दिवस मनाने के पीछे छिपी भावना के बारे में बताते हुए कहा, ÷बाबासाहेब अम्बेडकर की 125वीं जयंती थी, हम सबको लगा इससे बड़ा पवित्र अवसर क्या हो सकता है कि बाबासाहेब अम्बेडकर ने जो इस देश को जो नजराना दिया है, उसको हम हमेशा एक स्मृति ग्रंथ के रूप में याद करते रहें।' उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की परंपरा की स्थापना के साथ-साथ उसी समय 26 नवंबर को भी 'संविधान दिवस' के रूप में स्थापित कर दिया जाता।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे का सख्त आदेश जल्द से जल्द कोरोना की वैक्सिनेशन कर लें सभी कर्मचारी

जबलपुर। कोविड-19 वैक्से सीन लगवाए बिना ड्यूटी कर रहे भारतीय रेल के कर्मचारियों पर रेलवे की ओर से सख्त कदम उठाया जा रहा है।कोविड-19 टीकाकरण के बिना कर्मचारियों को ड्यूटी पर ना लेने के संबंध में आदेश जारी कर कहा गया है कि इसतरह के कर्मचारी को तुरंत वैक्सीन लगवाने को कहे। ऐसा ना करने वाले रेल कर्मियों को तीन दिन की समय सीमा के बाद ड्यूटी पर ना लिया जाए।पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल की तरफ से आदेश जारी किए गए हैं. अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) जबलपुर, दीपक कुमार गुप्ता की तरफ से जारी आदेश में मंडल के समस्त शाखा अधिकारियों से कहा गया है किजिला दंडाधिकारी, जबलपुर द्वारा जारी आदेश के आलोक में समस्त शाखा अधिकारी अपने अधीनस्थ हर कार्यरत कर्मचारियों का वैक्सीनेशन अनिवार्य रूप से 3 दिन के अंदर कराना सुनिश्चित करें। साथ ही उनसे कहा गया है कि डिपो/स्टेशन/कार्यालय प्रभारी से इस संबंध में घोषणा पत्र भी लिया जाए कि उनके अधीन सभी कर्मचारियों का वैक्से सीनेशन हो गया है। इससे संबंधित पूर्व में जारी की गई गूगल शीट को भी अपडेट कराया जाए।

राष्ट्र द्वारा 72वां संविधान दिवस मनाने के क्रम में जनजातीय कल्याण की प्रक्रिया में तेजी

नई दिल्ली। अनुसूचित जनजातियों के हितों और अधिकारों को प्रोत्साहन देने तथा उनकी सुरक्षा के लिये संविधान में कई प्रावधान किये हैं, ताकि उन्हें राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल होने के लिये सक्षम बनाया जा सके। देश में आजादी के 75 वर्ष होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तो इसी उपलक्ष्य में जनजातियों के कल्याण की प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है तथा जनजातीय लोगों के लिये संवैधानिक प्रावधानों को क्रियान्वित किया जा रहा है। संविधान का अनुच्छेद 46 राज्य सरकारों को यह आदेश देता है कि वे समाज के कमजोर वर्गों, खासतौर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक तथा आर्थिक हितों पर विशेष ध्यान दें। इसके अलावा राज्य सामाजिक अन्याय और हर तरह के शोषण से इनकी सुरक्षा करें। शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण अनुच्छेद 15(4) में दिया है, जबकि ओहदों और सेवाओं में आरक्षण का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 16(4), 16(4ए) तथा 16(4बी) में किया है। अनुच्छेद 23 जो मानव तस्करी तथा भिक्षाटन तथा जबरिया श्रम के अन्य समान तरीकों पर प्रतिबंध लगाता है, उसका अनुसूचित जनजातियों के मामले में एक विशेष महत्त्व है। इस अनुच्छेद के अनुसरण में संसद ने बंधित श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 को कानून का दर्जा दिया। इसी तरह अनुच्छेद 24, जो 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के फैक्ट्री या खान या अन्य खतरनाक गतिविधि वाले रोजगारों पर प्रतिबंध लगाता है, वह भी अनुसूचित जनजाति के लिये महत्त्वपूर्ण है।

जर्मनी और इटली ने अफ्रीका से आने वाले फ्लाइट्स रोक दी, इजराइल में सामने आया मामला

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में मिले कोविड के नए खतरनाक वैरिएंट बी.1.1.529 से दुनिया भर के देश सतर्क हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक कोविड का वैरिएंट अब तक का सबसे म्यूटेड वर्जन है।जर्मनी ने नए कोरोना वैरिएंट को लेकर दक्षिण अफ्रीका से अधिकतर यात्रा पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है। इटली ने अफ्रीका से आने वाले फ्लाइट्स रोक दी है।वहीं यूरोपियन यूनियन भी दक्षिण अफ्रीका से आने वाले फ्लाइट्स पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी में है। इसके साथ ही इजरायल में दक्षिण अफ्रीका वैरिएंट का एक केस मिला है। अभी तक भारत में बी .1.1.529 कोविड वैरिएंट का एक भी केस नहीं देखा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में लिखा है कि कोविड बी.1.1.529 वैरिएंट बहुत अधिक म्यूटेड है। इसका देश के लिए गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव पड़ सकता है। इससे वीजा प्रतिबंधों में ढिलाई और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा से दिक्कतें बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि रिस्क वाले देशों से आ रहे लोगों को बारीकी से ट्रैक और टेस्ट किया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने सरकारी और निजी लैब्स को तत्काल जीनोम सिक्वेंसिंग करने की सलाह दी है ताकि यह पता चल सके कि यह वैरिएंट कितना संक्रामक, कितना खतरनाक और दुष्प्रभावी है।एक्सपर्ट्स ने कहा है, कि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करे। भीड़-भाड़ वाले इलाके में न जाए और हाथों की सफाई का ध्यान रखें क्योंकि अभी हमें यह नहीं पता है कि नया वैरिएंट कितना खतरनाक है।

हिमाचल उपचुनाव में हार के मंथन में जुटी भाजपा, 24 नेताओं को कारण बताओ नोटिस

शिमला। हिमाचल में तीन विधानसभा और 1 लोकसभा सीट के उपचुनाव में हार के बाद से भाजपा लगातार मंथन में जुटी है। इतना ही नहीं प्रदेश के उपाध्यक्ष कृपाल परमार और सिरमौर जिले के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने पद से इस्तीफा तक दे दिया है। वहीं पार्टी ने अंतर्कलह और अनुशासनहीनता को रोकने के लिए 24 नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी करने का फैसला लिया है। पार्टी के सीनियर नेताओं का मानना है कि अनुशासनहीनता को रोकने के लिए ऐसा करना जरूरी है। शिमला में चल रही तीन दिवसीय बैठक में अनुशासनहीनता का मुद्दा छाया रहा। इसके अलावा भीतरघात को पार्टी की हार की अहम वजह माना गया है। सीएम जयराम ठाकुर, पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल सहित पार्टी के कई सारे सीनियर नेताओं ने माना कि कुछ लोगों की गतिविधियां पार्टी विरोधी थीं। उनके चलते वोट कटे और उसका नतीजा हार के तौर पर सामने आया है। बैठक में राज्य के प्रभारी अविनाश राय खन्ना के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्योदान सिंह भी हिस्सा ले रहे हैं। इस बैठक में उपचुनाव की हार को लेकर मंथन हो रहा है और जरूरी होने पर सरकार से लेकर संगठन तक में बदलाव भी किए जा सकते हैं। इस बारे में एक रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

भारत ने लिखी है लोकतांत्रिक विकास की अद्भुत गाथाः राष्ट्रपति

नई दिल्ली। संविधान की 72 वीं वर्षगांठ के मौके पर संसद के केन्द्रीय कक्ष में आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहाकि 72 साल पहले इसी सेंट्रल हॉल में हमारे संविधान निमार्ताओं ने इस दस्तावेज को भारत के सुनहरे भविष्य के लिए स्वीकार किया था। करीब सात दशक की छोटी सी समयावधि में ही भारत के लोगों ने लोकतांत्रिक विकास की अद्भुत गाथा लिख दी है। इसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया है। उन्होंने कहाकि मैं यह मानता हूं कि भारत की यह विकास यात्रा, हमारे संविधान के बल पर ही आगे बढ़ती रही है। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि आजादी के समय, देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को यदि ध्यान में रखा जाए तो भारतीय लोकतंत्र मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक माना जा सकता है। इस उपलब्धि के लिए हम संविधान निमार्ताओं की दूरदर्शिता और जन-गण-मन की बुद्धिमत्ता को नमन करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संविधान में वे सभी उदात्त आदर्श समाहित हैं जिनके लिए दुनिया के लोग भारत की ओर सम्मान और आशा भरी दृष्टि से देखते रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहाकि हमारे देश में न केवल महिलाओं को आरम्भ से ही मताधिकार प्रदान किया गया बल्कि कई महिलाएं संविधान सभा की सदस्य थीं और उन्होंने संविधान के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया। पश्चिम के कुछ विद्वान कहते थे कि भारत में वयस्क मताधिकार की व्यवस्था विफल हो जाएगी।

किसान आंदोलन का एक साल

महापंचायत में बोले टिकैतः आंदोलन आगे कैसे चलेगा ये संसद के चलने पर होगा तय

नई दिल्ली। गाजीपुर बॉर्डर पर चल रही किसान महापंचायत में राकेश टिकैत ने कहा कि जब तक संसद का सत्र चलेगा तब तक सरकार के पास सोचने और समझने का समय है। आगे आंदोलन कैसे चलाना है उसका फैसला हम संसद चलने पर लेंगे। आंदोलन की रूपरेखा क्या होगी उसका फैसला भी 27 नवंबर को हाने वाली संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में होगा। किसान आंदोलन का एक साल पूरा होने पर किसानों की महापंचायत शुरू हो गई है। इसका आगाज राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस मौके पर राकेश टिकैत, योगेंद्र यादव व अन्य किसान नेता मौजूद हैं। वहीं इससे पहले किसानों को महापंचायत की व्यवस्था के बारे में गाजीपुर किसान आंदोलन कमेटी के प्रवक्ता जगतार सिंह बाजवा ने जानकारी दी। यूपी गेट स्थिते किसान आंदोलन स्थल पर महापंचायत को लेकर पीएसी की 5 बटालियन, सिविल पुलिस के 250 कर्मी, एलआईयू, इंटेलिजेंस और महिला पुलिसकर्मी को तैनात किया गया है। एसपी सिटी सेकेंड ज्ञानेंद्र सिंह का कहना है कि किसान आंदोलन पर पूरी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। संदिग्धों पर नजर रखने के लिए पुलिसकर्मियों को सिविल ड्रेस में भी तैनात किया गया है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर दिल्ली पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग को मजबूत किया गया है। वहीं, दिल्ली पुलिस द्वारा

बैरिकेडिंग के पास चेतावनी के पोस्टर लगाए गए हैं, जिसमें इस पॉइंट पर धारा 144 लागू होने की बात कही गई है। किसानों के संसद कूच के एलाने को देखते हुए दिल्ली को शुक्रवार यानी आज से ही सील कर दियो गया है। सभी बॉर्डरों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई दी गई है। बॉडरे पर तैनात पुलिसकर्मियों को सख्त आदेश दिए गए हैं कि किसी को चेकिंग के बिना दिल्ली में न घुसने दिया जाए। किसान आंदोलन के एक साल पूरा होने पर किसी भी तरह के अवांछित घटनाक्रम से बचने के लिऐ दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर परे पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी है। रास्ता रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग के साथ ही क्रेन भी लगाई गई है। सिर्फ दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर ही नहीं अन्य मार्गो पर भी बैरिकेडिंग होने के चलते कई जगहों पर लंबा जाम लगा है। किसान आंदोलन का आज एक साल पूरा हो गयो है। ऐसे में दिल्ली की उन तमाम सीमाओं पर जहां बीते 12 महीनों से किसान प्रदर्शन कर रहे हैं वहां पुलिस की तरफ से सख्ती बढ़ी है तो किसानों की भीड़ भी बढ़ गई है। आंदोलन के एक साल पूरा होने व पीएम की तरफ से तीनों कानूनों की वापसी की घोषणा के बाद एसकेएम ने किसानों से दिल्ली बॉर्डर्स पर पहुंचने और आंशिक जीत उत्सव मनाने का आह्वान किया था।

अखिलेश बोलेः बाबा को लैपटॉप चलाना नहीं आता

जेवर एयरपोर्ट हम बनवाते पर केंद्र ने नहीं दी अनुमति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में सपा जिलाध्यक्ष हवलदार यादव के घर वैवाहिक कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आगमन हुआ। इस दौरान पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा का तीनों कृषि कानूनों को लाना गलत फैसला था, इसलिए उन्हें वापस लेने का फैसला लिया। अखिलेश यादव ने कहा कि मुझे खुशी है कि आज भाजपा विकास की बात कर रही है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण हम करा देते लेकिन केंद्र ने प्रोजेक्ट को मंजूरी नहीं दी। लेकिन सपा की सरकार ने कभी केंद्र के प्रोजेक्ट को नहीं रोका है। हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। इस बात की जानकारी आरटीआई से ली जा सकती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया नहीं करा पा रही है, इसलिए जनता का ध्यान भटका रही है। नेताजी ने आजमगढ़ की हवाई-पट्टी का निर्माण कराया। आज महंगाई बड़ा सवाल है। डीजल-पेट्रोल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। बाबा को लैपटॉप चलाना नहीं आता है, इसलिए टैबलेट दे रहे हैं। लेकिन असली टैबलेट आज तक नहीं मिला।

महाराष्ट्र में मार्च तक होगा तख्तापलट

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बयान से मचा तहलका

मुम्बई। महाराष्ट्र की सियासत में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के दावे से तहलका मच गया है। राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में अगले साल मार्च तक सत्ता बदल जाएगी। राजस्थान के अपने दो दिनों के दौरे के वक्त राणे ने कहा, 'महाराष्ट्र में जल्दी ही बदलाव देखने को मिलेगा। यह बदलाव मार्च तक देखने को मिल सकता है। सरकार बनाने या गिराने की बातें ऐसी हैं, जिन्हें सीक्रेट ही रखा जाता है।' यही नहीं न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक नारायण राणे ने कहा, 'उद्धव ठाकरे स्वस्थ नहीं हैं। इसलिए हमारे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने उनके बारे में बात न करने को कहा है। लेकिन महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार ज्यादा दिनों तक चलने वाली नहीं है।' दो सप्ताह पहले ही महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे सर्वाइकल स्पाइन सर्जरी हुई है। वह इलाज के लिए एचएन रिलायंस अस्पताल में भर्ती थे। शिवसेना और कांग्रेस में रह चुके नारायण राणे ने अपने बयान से साफ संकेत दिया कि राज्य में कभी भी सत्ता बदल सकती है। इस बीच एनसीपी प्रमुख शरद पवार अपने सभी कार्यक्रम रद्द करके आज दोपहर में दिल्ली पहुंच रहे हैं। शरद पवार, प्रफुल्ल पटेल के साथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। फडणवीस भी आज सुबह दिल्ली पहुंचे हैं। महाराष्ट्र बीजेपी के कई नेता कल से दिल्ली में मौजूद हैं। कल रात महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत दादा पाटिल गृह मंत्री अमित शाह से मिले थे, उस माटिंग में देवेंद्र फडणवीस को भी शामिल होना था लेकिन उन्हें दिल्ली पहुंचने में देरी हो गई। चंद्रकांता दादा पाटिल और देवेंद्र फडणवीस बीजेपी मुख्यालय में संगठन मंत्री बीएल संतोष से मुलाकात कर रहे हैं। ऐसा भी बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने शिवसेना के राज्यसभा सांसद और उद्धव ठाकरे के करीबी से नेता से मुलाकात की है।

महंगाई हटाओ' रैली

12 दिसंबर को दिल्ली में रैली निकालेगी कांग्रेस, सोनिया-राहुल सभा को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। इसके तहत कांग्रेस 12 दिसंबर को दिल्ली में 'महंगाई हटाओ' रैली निकालने जा रही है। बताया जा रहा है कि इस दौरान पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रैली को संबोधित करेंगे। इससे पहले 29 नवंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर कांग्रेस ने बीते दिन पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर अहम बैठक की थी। इसमें आगामी सत्र में पार्टी की रणनीति पर चर्चा हुई और तय किया गया कि किन-किन मुद्दों पर सरकार को घेरा जाएगा। वरिष्ठ नेता एके एंटनी, आनंद शर्मा, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, के सी वेणुगोपाल, के सुरेश, रवनीत बिट्टू, जयराम रमेश इस बैठक में शामिल हुए थे। बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया थो कि कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक में पार्टी ने कई अहम फैसले किए हैं। इसमें मुद्रास्फीति, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें, चीन की आक्रामकता और जम्मू-कश्मीर जैसे मुद्दे शामिल हैं। संसद में इन मुद्दों पर विपक्षी दलों को एक साथ लाने के अपने प्रयासों को भी तेज किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न दलों के नेताओं को भी बुलाया जाएगा।

संविधान दिवस का विपक्ष ने किया बहिष्कार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जमकर किया पलटवार

नई दिल्ली। संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सेंट्रल हॉल में अपना संबोधन दिया। उन्होंने अपने भाषण की शुरूआत राष्ट्रपित महात्मा गांधी और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए की। इस मौके पर उन्होंने विपक्षी पार्टी के शामिल नहीं होने पर प्रधानमंत्री ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध आज से नहीं हो रहा है। उन्होंने पारिवारिक पार्टियां कहकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों पर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कई दल अपना लोकतात्रिक चरित्र खो चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा, "भारत एक ऐसे संकट की ओर बढ़ रहा है, जो संविधान को समर्पित लोगों के लिए चिंता का विषय है, लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वालों के लिए चिंता का विषय है और वो है पारिवारिक पार्टियां।" उन्होंने कहा, 'योग्यता के आधार पर एक परिवार से एक से अधिक लोग जाएं, इससे पार्टी परिवारवादी नहीं बन जाती है। लेकिन एक पार्टी पीढ़ी दर पीढ़ी राजनीति में है।' महात्मा गांधी ने आजादी के आंदोलन में आधिकारों को लिए लड़ते हुए भी, कर्तव्यों के लिए तैयार करने की कोशिश की थी। अच्छा होता अगर देश के आजाद होने के बाद कर्तव्य पर बल दिया गया होता। संविधान की भावना को भी चोट पहुंची है, संविधान की एक-एक धारा को भी चोट पहुंची है, जब राजनीतिक दल अपने आप में अपना लोकतांत्रिक कैरेक्टर खो देते हैं। जो दल स्वयं लोकतांत्रिक कैरेक्टर खो चुके हों, वो लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकते हैं। इस संविधान दिवस को इसलिए भी मनाना चाहिए, क्योंकि हमारा जो रास्ता है, वह सही है या नहीं है, इसका मूल्यांकन करने के लिए मनाना चाहिए। भारत एक ऐसे संकट की ओर बढ़ रहा है, जो संविधान को समर्पित लोगों के लिए चिंता का विषय है, लोकतंत्र के प्रति आस्था रखने वालों के लिए चिंता का विषय है और वो है पारिवारिक पार्टियां। योग्यता के आधार पर एक परिवार से एक से अधिक लोग जाएं, इससे पार्टी परिवारवादी नहीं बन जाती है। लेकिन एक पार्टी पीढ़ी दर पीढ़ी राजनीति में है। बाबासाहेब अम्बेडकर की 125वीं जयंती थी, हम सबको लगा इससे बड़ा पवित्र अवसर क्या हो सकता है कि बाबासाहेब अम्बेडकर ने जो इस देश को जो नजराना दिया है, उसको हम हमेशा एक स्मृति ग्रंथ के रूप में याद करते रहें। संविधान की भावना को भी चोट पहुंची है, संविधान की एक-एक धारा को भी चोट पहुंची है, जब राजनीतिक दल अपने आप में अपना लोकतांत्रिक कैरेक्टर खो देते हैं। जो दल स्वयं लोकतांत्रिक कैरेक्टर खो चुके हों, वो लोकतंत्र की रक्षा कैसे कर सकते हैं। हमारा संविधान ये सिर्फ अनेक धाराओं का संग्रह नहीं है, हमारा संविधान सहस्त्रों वर्ष की महान परंपरा, अखंड धारा उस धारा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। आज 26/11 हमारे लिए एक ऐसा दुखद दिवस है, जब देश के दुश्मनों ने देश के भीतर आकर मुंबई में आतंकवादी घटना को अंजाम दिया। देश के वीर जवानों ने आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। आज उन बलिदानियों को भी नमन करता हूं।

'संबंध बनाने से कैंसर ठीक हो जाएगा' मरीज से बोला डॉक्टर

नई दिल्ली। कैंसर बेहद खतरनाक बीमारी मानी जाती है, इस बीमारी का इलाज भी काफी खचीर्ला माना जाता है। भारत जैसे देश में तो कैंसर बीमारी सबसे बड़ी बीमारी मानी जाती है, तमाम मौतें इस बीमारी के चलते हो जाती है। कैंसर से ही संबंधित एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है जहां एक डॉक्टर ने कैंसर मरीज को बताया कि संबंध बनाने से कैंसर ठीक कर दूंगा। हालांकि वह डॉक्टर रंगे हाथ पकड़ा गया और उसकी सारी करतूत सामने आ गई। दरअसल, यह घटना इटली की है। 'डेली मेल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यहां के एक मशहूर डॉक्टर के पास एक महिला पहुंची, जिसे पता चला कि उसे कैंसर हो गया। महिला से डॉक्टर ने बताया कि वह उसका कैंसर ठीक कर देगा, इसके लिए उसे डॉक्टर के ही साथ संबंध बनाना पड़ेगा। महिला भांप गई कि डॉक्टर की नियत क्या है, इसके बाद उसने डॉक्टर के लिए प्लान भी बना लिया। महिला ने एक चैनल से संपर्क किया और उसे पूरी कहानी बता दी। महिला दोबारा डॉक्टर के पास पहुंची तो वह डॉक्टर एक होटल के कमरे में उसे लेकर पहुंच गया। डॉक्टर की सारी हरकत कैमरे में रिकॉर्ड हो रही थी।

यूपीः संविधान दिवस से पहले क्षतिग्रस्त की आंबेडकर की प्रतिमा, लगाया जाम

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में संविधान दिवस से पहले गुरुवार की रात डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। शुक्रवार की सुबह इसकी जानकारी हुई तो गांव में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने मल्हनी-छबीलेपुर मार्ग पर जाम लगा दिया है। करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे सदर एसडीएम हिमांशु नागपाल और सीओ सदर रणविजय सिंह ने नई प्रतिमा लगवाने का आश्वासन दिया। साथ ही असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद भी ग्रामीणों ने रोड से जाम नहीं हटाया। मौके पर पीएससी बुला ली गई है। पुलिस के अनुसार, सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पालामऊ खुर्द गांव में कई वर्षों से लगी डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति स्थापित थी। शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे टहलने निकले कुछ ग्रामीणों ने आंबेडकर मूर्ति की क्षतिग्रस्त देखा। मूर्ति क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर ग्रामीण पहुंच गए, जिन्होंने इसकी सूचना पुलिस और जिला प्रशासन को दी आक्रोशित ग्रामीणों ने मल्हनी व छबीलेपुर मार्ग पर जाम लगा दिया घटना की जानकारी होने पर एसडीएम सदर हिमांशु नागपाल, सीओ सदर रणविजय सिंह, थानाध्यक्ष सरायखवाजा, थाना प्रभारी खेतासराय मौके पर पहुंच गए ग्रामीणों की मांग पर एसडीएम ने आंबेडकर की नई मूर्ति शाम तक लगवाने की बात कही। लेकिन, ग्रामीणों में बात नहीं मानी और लाठी एवं डंडा लेकर छबीलेपुर और मल्हनी मार्ग को जाम कर दिए।

हिमाचल भितरघात से उपचुनाव में हार

शिमला। हिमाचल प्रदेश में तीन विधानसभा और 1 लोकसभा सीट के उपचुनाव में हार के बाद से भाजपा लगातार मंथन में जुटी है। यही नहीं प्रदेश के उपाध्यक्ष कृपाल परमार और सिरमौर जिले के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने पद से इस्तीफा तक दे दिया है। इस बीच पार्टी ने अंतर्कलह और अनुशासनहीनता को रोकने के लिए 24 नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी करने का फैसला लिया है। पार्टी के सीनियर नेताओं का मानना है कि अनुशासनहीनता को रोकने के लिए ऐसा करना जरूरी है। शिमला में चल रही तीन दिवसीय बैठक में अनुशासनहीनता का मुद्दा छाया रहा। इसके अलावा भीतरघात को पार्टी की हार की अहम वजह माना गया है। सीएम जयराम ठाकुर, पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल समेत पार्टी के सभी सीनियर नेताओं ने माना कि कुछ लोगों की गतिविधियां पार्टी विरोधी थीं।

उनके चलते वोट कटे और उसका नतीजा हार के तौर पर सामने आया है। इस बैठक में राज्य के प्रभारी अविनाश राय खन्ना के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्योदान सिंह भी हिस्सा ले रहे हैं। इस बैठक में उपचुनाव की हार को लेकर मंथन हो रहा है और जरूरी होने पर सरकार से लेकर संगठन तक में बदलाव भी किए जा सकते हैं। इस बारे में एक रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी। मीडिया से बात करते हुए पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने कहा कि बैठक में इस बात का संज्ञान लिया गया है कि कुछ नेताओं की भीतरघात के चलते नुकसान पहुंचा है। इन लोगों को कारण बताओ नोटिस जारी तिया जाएगा। यही नहीं संतोषजनक जवाब न मिलने पर ऐक्शन भी लिया जा सकता है। यही नहीं शर्मा ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि उपचुनाव के नतीजे भाजपा की आंखें खोलने वाले हैं और इससे निपटने के लिए रणनीति बनानी होगी ताकि 2022 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की जा सके। यही नहीं उन्होंने कहा कि पार्टी के केंद्रीय की ओर से सरकार और संगठन में बड़े फेरबदल पर भी मुहर लग सकती है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईलः-987914180

या फोटो,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेलः-krantisamay@gmail.com